Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 213
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,03 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर कुल 110

4 डेंगू से बचाव इतना भी मुश्किल नहीं, स्वास्थ्य

7 एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भड़कीं इटैलियन डीजे

दिल्ली में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

महिला सशक्तिकरण सिर्फ सरकार नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों को सराहते हुए हिंसा और आर्थिक असमानता जैसी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चा महिला सशक्तिकरण स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता, समान अवसर और सुरक्षा सुनिश्चित करने में निहित है।

सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में शिरकत की और संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह सैनिकों के रूप में देश की सीमाओं की रक्षा करना हो, वैज्ञानिकों के रूप में शोध करना हो या अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में देश का नाम रोशन करना हो। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक सेवा, प्रशासन और व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और देशभर में दीक्षांत समारोहों में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली लड़कियों की बढ़ती संख्या एक प्रेरणादायक तस्वीर पेश करती है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक रूढ़िवादिता और स्वास्थ्य संबंधी उपेक्षा जैसी चुनौतियाँ महिलाओं की प्रगति में बाधा बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एक महिला तभी सही मायने में सशक्त होगी जब वह स्वतंत्र निर्णय ले सकेगी, आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकेगी और उसे समान अवसर और सुरक्षा प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि एक सशक्त महिला न केवल अपना जीवन बदल सकती है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों की दिशा भी बदल सकती है। सरकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना जैसी योजनाएँ लड़कियों की शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा दे रही हैं, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाखों महिलाओं को धूम्रपान से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण प्राप्त करने में सक्षम बना रही है, और लखपति दीदी योजना जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रही हैं।

अमित शाह का दावा

बंगाल में तुष्टिकरण से विकास नहीं हो सकता, आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है राज्य

(पश्चिम बंगाल)। अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सरकार को आड़े हाथों लिया। तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए शाह ने दावा किया कि बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का षड्यंत्र ममता बनर्जी ने किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल के हिंदू और मुसलमान दोनों आपको जान चुके हैं। इस साल के चुनाव में आपकी विदाई तय है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बंगाल में चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक जनसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस की नीतियों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से राज्य का विकास नहीं हो सकता। शाह ने दावा किया कि राज्य आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है। शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक

मदद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने दूसरे राज्यों के विपक्षी दलों की सियासत पर भी हमले बोले। उन्होंने बिहार, असम, तमिलनाडु जैसे राज्यों में परिवारवाद का आरोप लगाते हुए तेजस्वी यादव, गौरव गोगोई और एमके स्टालिन की राजनीति पर भी तीखी टिप्पणी की। आगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है। शाह ने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और बंगाल की स्थिति लगातार खराब हुई है। ममता बनर्जी पर अमति शाह ने साधा निशाना अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर गलती से फिर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो सरकार ममता बनर्जी नहीं बल्कि उनके भतीजे द्वारा चलाई जाएगी।

सार संक्षेप

बहराइच में बेटा बना कसाई! आधी रात को माता-पिता, दादी और बहन को काट डाला

बहराइच। बहराइच जिले के रुपईडीहा क्षेत्र में कथित तौर पर जायदाद के विवाद में एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता, दादी तथा बहन पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर उनकी हत्या कर दी और खुद को भी घायल कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि बसन्तपुर रूदल के मजरा रामगांव निवासी गुरुदेव ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार रात करीब 12 बजे शोर सुनकर जब वह अपने कमरे से बाहर निकले तो देखा कि उनका छोटा भाई निरंकार, पिता बदलू राम (60) द्वारा बेची गई जमीन व गहनों से मिली रकम नहीं देने को लेकर झगड़ा कर रहा था। तिवारी ने बताया कि तहरीर के अनुसार इसी दौरान आवेश में आकर निरंकार ने कुल्हाड़ी से हमला कर अपने पिता बदलू राम (60), मां संजू देवी (56), दादी सिताला देवी (80) और बहन पार्वती (38) की हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, आरोपी ने अपने भाई गुरुदेव के सिर पर भी कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे वह घायल हो गया। उन्होंने बताया कि गुरुदेव के बेटे आजाद के शोर मचाने पर गांव के लोग इकट्ठा हो गए तो निरंकार ने अपने सिर पर ईंट से कई बार प्रहार कर खुद को भी घायल कर लिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रही यूपी पुलिस, नाराज हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सात साल से कम सजा वाले मामलों में गिरफ्तारी को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ऐसे मामलों में गिरफ्तारी करना यह दशार्ता है कि पुलिस के मन में देश के कानून के प्रति सम्मान की कमी है।

शुभकामनायें

रंगो के पर्व होली की बहुत बहुत शुभकामनायें

आवकाश

रंगो के पर्व होली के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 06 मार्च को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

दिल्ली में महिला सशक्तिकरण का बड़ा कदम

मुख्यमंत्री रेखा ने दी मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और बस यात्रा की सौगात

नई दिल्ली। की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में कई महिला-केंद्रित योजनाओं की शुरूआत की, जिसमें लाडली योजना के तहत 30,000 लड़कियों को 90 करोड़ रुपये का डीबीटी हस्तांतरण और राशन कार्ड धारकों के लिए मुफ्त एलपीजी सिलेंडर शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा, गतिशीलता और घरेलू सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम में महिला-केंद्रित कई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें राशन कार्ड धारकों के लिए मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना और दिल्ली लखपति बिटिया योजना शामिल हैं। शिक्षा, गतिशीलता और घरेलू सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने घोषणा की कि लाडली-लाडली योजना के तहत 30,000 लड़कियों के लिए धनराशि डीबीटी के माध्यम से वितरित कर दी गई है। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने होली और दिवाली के अवसर पर राशन कार्ड धारक परिवारों को प्रतिवर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने वाली योजना का भी शुभारंभ किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह जीवन के तीन पहलुओं को छूने का प्रयास है: शिक्षा, गतिशीलता और घरेलू सशक्तिकरण। मैं दिल्ली की बेटियों को बधाई देता हूँ... सरकार की जाँच में पता चला कि 17.5 लाख लड़कियों के लिए 'लाडली-लाडली' योजना का पैसा सरकारी खातों में पड़ा हुआ था। इसलिए, पहले चरण में हमने 30,000 लड़कियों का पता लगाया और डीबीटी के माध्यम से 90 करोड़ रुपये दिए गए। अधिकारियों के अनुसार, ये चार योजनाएँ हैं: 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड', मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना, दिल्ली लखपति बिटिया योजना और 'मेरी पुंजी मेरा अधिकार'। इस पहल के तहत, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड को राष्ट्रीय साझा गतिशीलता कार्ड (एनसीएमसी) ढांचे के अंतर्गत पेश किया जाएगा, जिससे पात्र महिलाओं और ट्रांसजेंडर निवासियों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह कार्ड मेट्रो और क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आर.आई.एस.) में भी सशुल्क यात्रा की सुविधा देगा, जिसे एक ही टच-फ्री स्मार्ट कार्ड के माध्यम से किया जा सकेगा। कार्ड लगभग 50 डीएम/एसडीएम कार्यालयों और चयनित डीटीसी केंद्रों पर जारी किए जाएंगे, जहां पात्रता का सत्यापन आधार कार्ड के माध्यम से किया जाएगा और लाभार्थी के मोबाइल नंबर से लिंक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। त्योहारों के दौरान दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडरों के साथ, यह योजना प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। एक सिलेंडर की वर्तमान कीमत के बराबर राशि परिवार के मुखिया के आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाएगी। इस योजना से लगभग 15.50 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को लाभ होगा।

मिडिल ईस्ट के तनाव से भारत में हिंसा भड़कने का खतरा:

गृह मंत्रालय ने राज्यों को भेजा अलर्ट, कट्टरपंथी उपदेशकों पर नजर रखने के निर्देश

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भीषण संघर्ष की लपटें अब भारत की सीमाओं तक पहुंचने की आशंका जता रही हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इजरायल ने तेहरान सहित ईरान के प्रमुख शहरों पर अब तक के सबसे घातक हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों में ईरान के दर्जनों शीर्ष सैन्य कमांडर और नेता मारे जा चुके हैं ईरान ने बदले की कार्रवाई में इजरायल, यूएई, कुवैत, कतर, बहरीन समेत कम से कम 9 देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। खामेनेई की मौत के विरोध में कई देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं, जबकि भारत में भी कुछ जगहों पर ईरान समर्थक प्रदर्शन देखे गए हैं। जहां लोग काफी आक्रमक नजर आए हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने सतर्कता बरतते हुए सभी राज्यों को हाई अलर्ट जारी किया है। गृह मंत्रालय ने 28 फरवरी को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विस्तृत पत्र भेजा है, जिसमें मध्य पूर्व संकट के चलते भारत में संभावित हिंसा और अशांति की आशंका जताई गई है। ईरान समर्थक कट्टरपंथी उपदेशकों और भड़काऊ भाषण देने वालों की पहचान और निगरानी तुरंत शुरू करें, मध्य पूर्व युद्ध से जुड़े प्रदर्शनों पर सतर्क नजर रखें, किसी भी तरह की हिंसा या सांप्रदायिक तनाव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संभावित उपाय अपनाएं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वीडियो संदेश में ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, जब तक हमारे सभी उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। अमेरिका का दावा है कि इन हमलों में खामेनेई के अलावा 40 से अधिक ईरानी नेता और कमांडर मारे गए हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध की मार, केरल से खाड़ी देशों की उड़ानें लगातार तीसरे दिन ठप, सैकड़ों यात्री फंसे

कोच्चि। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण केरल से खाड़ी देशों के लिए उड़ानें सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी प्रभावित रहीं। अधिकारियों ने संकेत दिया कि यह व्यवधान कुछ और दिनों तक जारी रह सकता है। कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को कोच्चि से रवाना होने के लिए निर्धारित करीब 45 उड़ानों को रद्द दिखाया और इतनी ही यहां पहुंचने वाली उड़ानें रद्द दिखाई गई। हालांकि, ओमान एयर की एक उड़ान सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर मस्कट के लिए रवाना हुई। इसी तरह, सऊदिया की जेद्दा और रियाद जाने वाली उड़ानें, ओमान

एयर की मस्कट जाने वाली एक उड़ान, एतिहाद एयरवेज की अबू धाबी जाने वाली उड़ान और स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली उड़ानें निर्धारित समय पर रवाना होना दिखा रहा है। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (टीआईएएल) ने बताया कि सोमवार को खाड़ी क्षेत्र के लिए निर्धारित 20 उड़ानें रद्द रहीं। पिछले तीन दिनों में तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कुल 65 उड़ानें रद्द की गई हैं। सूत्रों के अनुसार, मस्कट से ओमान एयर की एक उड़ान सुबह सात बजकर 20 मिनट पर पहुंची और करीब साढ़े आठ बजे रवाना हुई। कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (केआईएएल) ने अपनी वेबसाइट पर खाड़ी देशों के लिए निर्धारित 10 उड़ानों को रद्द दिखाया है।

भारत-कनाडा की मजबूत साझेदारी, 2030 तक 50 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत और कनाड़ा ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढाने तथा रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए भारत-कनाड़ा रक्षा संवाद शुरू करने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने आर्थिक क्षेत्र में सहयोग को पुख्ता करने पर भी सहमति व्यक्त की है। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कूटनीति और बातचीत से मुद्दों के समाधान पर जोर दिया है। दोनों देशों ने आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ को मानवता के लिए साझा और गंभीर

चुनौती माना है। पीएम मोदी ने भारत की चार दिन की यात्रा पर आये कनाड़ा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ सोमवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कनाड़ा और भारत का लोकतान्त्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास है और दोनों देश विविधता को पूरी तरह मान्यता देते हैं। उन्होंने कहा कि मानवता की भलाई हमारा साझा विजन है जो हमें हर क्षेत्र में आगे बढने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने इस साझा विजन को आगे बढाने और अपनी साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने आर्थिक संभावनाओं को पूरा फायदा उठाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग साझेदारी को जल्द ही अंतिम रूप देने का भी निर्णय लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि कनाड़ा के पेंशन फंडों ने भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश किया है जिससे भारत की विकास यात्रा में उनके गहरे विश्वास का पता चलता है।

एनसीआर में एक्यूआई में गिरावट, अधिकांश इलाके येलो जोन में, होली पर 34 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों चल रही तेज सतही हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों की तुलना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है और दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद के करीब 90 प्रतिशत इलाके येलो जोन यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मॉनिटरिंग स्टेशनों से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों का हाल बताए तो अलीपुर द 166, आनंद विहार, 258 (सबसे अधिक), अशोक विहार द 181, आया नगर, 147, बवाना,207, बुराड़ी क्रॉसिंग, 161, चांदनी चौक, 194, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, 154, सीआरआरआई मथुरा रोड, 147 और डीटीयू, 150 एक्यूआई दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि दिल्ली के अधिकांश स्टेशन 150 से 200 के बीच दर्ज किए गए, जबकि आनंद विहार 258 के साथ अपेक्षाकृत खराब श्रेणी में रहा। नोएडा में स्थिति की बात करे तो सेक्टर-62, 150, सेक्टर-1 द 163, सेक्टर-116 द 160, दर्ज किया गया। गाजियाबाद का हाल बताए तो इंदिरापुरम, 163, लोनी, 219, संजय नगर,153 और वसुंधरा द 178 में एक्यूआई दर्ज किया गया है। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में एक्यूआई 219 दर्ज किया गया।

खामेनेई की मौत के बाद कश्मीर में सख्ती, विरोध में प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में जवान तैनात

श्रीनगर। कश्मीर में सोमवार को अधिकारियों ने उन इलाकों में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिए जहां ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले के दौरान शनिवार को तेहरान में एक हवाई हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। ईरानी सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि लाल चौक स्थित घंटाघर को चारों ओर अवरोधक लगाकर बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को जुटने से रोकने के लिए पूरे शहर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि कश्मीर में लगभग 15 लाख शिया आबादी है। खामेनेई के मौत के खिलाफ लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन देखे गए। प्रदर्शनकारियों को छाती पीटकर मातम मनाते और अमेरिका व इजराइल विरोधी नारे लगाते देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर ये पाबंदियां लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण चौराहों पर कटीले तार और अवरोधक लगाए गए हैं। घाटी के अन्य जिलों के शिया बहुल इलाकों में भी इसी तरह की पाबंदियां लागू की गई हैं। ये पाबंदियां मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक द्वारा एक दिवसीय बंद के आह्वान की पृष्ठभूमि में आई हैं। मीरवाइज ने कहा, हम लोगों से इसे एकता, गरिमा और पूर्ण शांति के साथ मनाने का आग्रह करते हैं। एमएमयू के बंद के आह्वान को विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित कई राजनीतिक दलों ने समर्थन दिया है। मुफ्ती ने कहा, ईरान के सर्वोच्च नेता की शहादत पर मीरवाइज उमर फारूक के बंद के आह्वान को हम अपना पूर्ण समर्थन देते हैं।

यह शोक का दिन है जो दुनिया को याद दिलाता है कि कहीं भी होने वाला अन्याय पूरी मुस्लिम उम्माह और सच्चाई के साथ खड़े सभी लोगों को आहत करता है। अधिकारियों ने छात्रों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर निजी स्कूलों सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को भी दो दिन के लिए बंद कर दिया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शनों के मद्देनजर सोमवार को कश्मीर भर में मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर यह कदम उठाया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से/होकर कुल 110 होली विशेष ट्रेनें 706 फेरों में चलाई जा रही हैं

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये यात्रा करने वाले आरम्भिक यात्रियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये, रिकॉर्ड संख्या में होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से अम्बाला, अमृतसर, चंडीगढ़, कोलकाता (सियालदह), धनबाद, आसनसोल, नई दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, मुम्बई, गोंदिया, पुरी, राजकोट, वलसाड, वडोदरा, गुवाहाटी, राँची, श्री गंगानगर, जयपुर, जोधपुर आदि नगरों हेतु चलाई जा रही हैं। होली पर्व के उपरान्त यात्रियों को उनके गंतव्य तक वापसी हेतु बढ़ती मांग को देखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं अन्य प्रमुख नगरों के लिये 76 होली विशेष ट्रेनें 416 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 34 होली विशेष ट्रेनें 290 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर कुल 110 होली विशेष ट्रेनें 706 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन होली विशेष ट्रेनों से यात्रा का विकल्प चुनकर रेल यात्री अपनी यात्रा को सुगम एवं आनन्ददायक बना सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से देश के प्रमख नगरों कोलकाता (सियालदह-06 फेरे), आसनसोल (06 फेरे), धनबाद (02 फेरे), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-32 फेरे, पुणे-32 फेरे एवं बान्द्रा टर्मिनस-02 फेरे), नई दिल्ली (24 फेरे), चंडीगढ़ (04 फेरे), गुवाहाटी (नारंगी-12 फेरे), राँची (10 फेरे) एवं वडोदरा (10 फेरे), हैदराबाद (08 फेरे), श्री गंगानगर (10 फेरे), जोधपुर (08 फेरे) आदि स्टेशनों के लिये होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त गोमती नगर से जयपुर (खातीपुरा-08 फेरे) एवं पुरी (मालतीपाटपुर-10 फेरे); बढ़नी से अमृतसर (08 फेरे); बनारस से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-08 फेरे एवं मुम्बई सेन्ट्रल-08 फेरे); छपरा से गोंदिया (02 फेरे), आनन्द विहार टर्मिनल (14 फेरे) एवं गोरखपुर (44 फेरे); मऊ से अम्बाला कैंट (08 फेरे), जोधपुर (10 फेरे), वलसाड (04 फेरे) एवं वडोदरा (12 फेरे); गाजीपुर सिटी से मुम्बई (पुणे-08 फेरे); आजमगढ़ से बान्द्रा टर्मिनस (04 फेरे); प्रयागराज रामबाग से अयोध्या कैंट (20 फेरे); लालकुआँ से राजकोट (10 फेरे), कोलकाता (08 फेरे) एवं किशनगंज (08 फेरे); टनकपुर से अछनेरा (46 फेरे) तथा काठगोदाम से मुम्बई सेन्ट्रल (10 फेरे) इत्यादि स्टेशनों के मध्य होली विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, इस रेलवे के अन्य स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 34 होली विशेष ट्रेनें 290 फेरों में संचालित हो रही हैं। इन ट्रेनों के संचलन से मार्गवर्ती स्टेशनों के यात्रियों को जाने/आने में काफी सुविधा हो रही है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा कार्यक्रम बनाते समय विशेष ट्रेनों में नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त भी बर्थों की उपलब्धता की अवश्य जाँच कर लें। यात्रीगण ट्रेनों से सम्बन्धित सभी प्रकार की जानकारी रेलवन ऐप से प्राप्त कर सकते हैं। होली पर यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की सुखद, सुरक्षित एवं सुविधापूर्ण यात्रा हेतु व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। सी.सी.टी.वी. नियंत्रण कक्ष से सतत निगरानी की जा रही है तथा सुरक्षा इकाइयों से समन्वय स्थापित कर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यालय, गोरखपुर स्थित नियंत्रण कक्ष में बनाये गये वॉर रूम से पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबन्धन की मॉनिटरिंग की जा रही है। स्टेशनों की निगरानी हेतु मुख्यालय एवं मंडलों पर वॉर रूम खोले गये हैं, जहाँ रेल अधिकारियों द्वारा 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को मॉनिटर करने हेतु मुख्यालय तथा मंडल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, जो स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की पूर्ण निगरानी करने के साथ ही उनके द्वारा स्टेशन की सभी गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इस हेतु रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.), वाणिज्य कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों को मुस्तैद किया गया है। ट्रेनों एवं प्लेटफार्मों पर निगरानी बढ़ाया गया है तथा यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है।

26फरवरी 2026 से 04 मार्च 2026 तक विशेष सेवा अभियान चलाया जा रहा है

नई दिल्ली। मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली के आदेशानुसार इस वर्ष होली पर्व के अवसर पर बढ़ती हुई यात्री संख्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन के अंतर्गत वरिष्ठ मंडल नागरिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती ज्योति सांगवान जी के निदेर्शानुसार सिविल डिफेंस के लगभग 55-60 स्वयंसेवकों द्वारा दिल्ली, नई दिल्ली एवं आनंदविहार रेलवे स्टेशन, परिसर एवं प्लेटफॉर्म पर दिनांक 26फरवरी 2026 से 04 मार्च 2026 तक विशेष सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान स्वयंसेवक हरीश चन्द्र जोशी ने आनंदविहार तथा मुकेश,शिवम्,संदीप, दिनेश,दीपक,दीनदयाल,संगीत,राजेश दत्त, कृपाल,सुमित्रा,सुनीता,एवं शशिभूषण ने आनंदविहार के अतिरिक्त अन्य स्टेशनों पर भी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्लेटफॉर्म की जानकारी देने, ट्रेनों की समय-सारिणी समझाने तथा भारी भीड़ के बीच शांति एवं अनुशासन बनाए रखने में सक्रिय योगदान दिया गया। साथ ही प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई, जिससे यात्रियों को त्वरित सहायता मिल सके। रेलवे अधिकारियों ने सिविल डिफेंस टीम की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ में स्वयंसेवकों का सहयोग सराहनीय है। उनके प्रयासों से यात्रियों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा अनुभव प्राप्त हुआ। सिविल डिफेंस इकाई ने भविष्य में भी रेलवे प्रशासन के आदेशानुसार समय समय पर दिए गए निदेर्शों के अनुसार साथ मिलकर जनसेवा हेतु तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया।

2026 तक प्रत्येक सोमवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेल प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व पर यात्री जनता की मांग पर 03677/03678 धनबाद-गोरखपुर-धनबाद साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन धनबाद एवं गोरखपुर से 09 से 30 मार्च,2026 तक प्रत्येक सोमवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

03677 धनबाद-गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 09 से 30 मार्च,2026 तक प्रत्येक सोमवार को धनबाद से 00.30 बजे प्रस्थान कर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं0 गोमो से 01.02 बजे, पारसनाथ से 01.20 बजे, हजारीबाग रोड से 01.46 बजे, कोडरमा से 02.20 बजे, गया से 04.00 बजे, अनुग्रह नरायण रोड से 04.53 बजे, डेहरी ऑन सोन से 05.10 बजे, सासाराम से 05.30 बजे, भबुआ रोड से 06.02 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं0 से 07.20 बजे, वाराणसी से 08.50 बजे, जौनपुर से 10.05 बजे, औड़िहार से 11.10 बजे, मऊ से 12.20 बजे, भटनी से 03.50 बजे तथा देवरिया सदर से 14.22 बजे छूटकर गोरखपुर से 16.15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 03678 गोरखपुर-धनबाद साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 09 से 30 मार्च2026 तक प्रत्येक सोमवार को गोरखपुर से 19.50 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 20.52 बजे, भटनी से 21.20 बजे, मऊ से 22.55 बजे,दूसरे दिन औड़िहार से 00.07 बजे, जौनपुर से 01.55 बजे, वाराणसी से 03.35 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं0 से 05.15 बजे, भबुआ रोड से 05.58 बजे, सासाराम से 06.32 बजे, डेहरी ऑन सोन से 06.50 बजे, अनुग्रह नारायण रोड से 07.50 बजे, गया से 08.45 बजे, कोडरमा से 09.56 बजे, हजारी बाग रोड से 10.25 बजे, पारसनाथ से 10.45 बजे तथा नेता सुभाष चन्द्र बोस जं0 गोमो से 11.50 बजे छूटकर धनबाद 13.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

अंधेरे में बैरिकेडिंग से टकराई बाइक, साथी बोले- समय पर नहीं मिला इलाज

वाराणसी। बीएचयू परिसर में सड़क हादसे के बाद छात्र की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड और स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। नाराज छात्रों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन वे लोग मुआवजे और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में शनिवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एमएससी एग्रीकल्चर के छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रामा सेंटर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए छात्र मुआवजे एवं उचित कार्रवाई की मांग करने लगे। औरंगाबाद, बिहार निवासी सूरज प्रताप (22), जो एमएससी एग्रीकल्चर सेकंड ईयर का छात्र था। शनिवार देर रात लगभग 12:30 बजे अपने दो दोस्तों के साथ अवेंजर बाइक से बाल गंगाधर तिलक हॉस्टल से निकला था। जैसे ही वह जे.सी. बोस हॉस्टल के पास पहुंचा, वहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था न होने के कारण उसकी बाइक बैरिकेडिंग से टकरा गई। चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप इस दुर्घटना में सूरज प्रताप को सीने और पेट में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद साथियों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया। आरोप है कि वहां समय पर इलाज न मिलने और औपचारिकताओं में देरी के कारण उसकी मौत हो गई। घायल छात्र विवेक त्रिपाठी ने बताया कि हम लोगों के पास उस समय हेल्थ डायरी नहीं थी, लेकिन हमने अपना आईडी कार्ड दिखाया। इसके बावजूद ट्रामा सेंटर में पहले 7700 रुपये जमा कराने को कहा गया।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 294 बर्थ उपलब्ध है

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 02 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 371 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 07, वातानुकूलित एवं शयनयान श्रेणी में 462 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 05 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 62 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 130 बर्थ, 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 310 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 93 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 350, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 146 बर्थ उपलब्ध है।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 04 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 445 बर्थ; 11 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 374 बर्थ तथा 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 502 बर्थ उपलब्ध है।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 03 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 31, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 76 एवं शयनयान श्रेणी में 553 बर्थ तथा 10 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 22, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 71 एवं शयनयान श्रेणी में 419 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 05 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 55 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 164 बर्थ, 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 55 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 223 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 163 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 08864 छपरा-गोंदिया विशेष गाड़ी में 03 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 04 एवं शयनयान श्रेणी में 266 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 08866 छपरा-गोंदिया विशेष गाड़ी में 04 मार्च, 2026 04 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 52 एवं शयनयान श्रेणी में 469 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह विशेष गाड़ी में 03 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 183 एवं शयनयान श्रेणी में 401 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03526 गोरखपुर-आसनसोल विशेष गाड़ी में 03 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 189 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 496 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 04513 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेष गाड़ी में 06 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 46 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 22 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 13 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 159 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस विशेष गाड़ी में 03 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 04 बर्थ, 04 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 01 तथा शयनयान श्रेणी में 11 बर्थ उपलब्ध है। -गोरखपुर से चलने वाली 01416 गोरखपुर-पुणे विशेष गाड़ी में 03 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 199 बर्थ, 04 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 05 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 137 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 08 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 13, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 41 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 149 बर्थ, 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 18, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 60 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 294 बर्थ उपलब्ध है।

मगफिरत के लिए मांगीं दुआएं, बनारस में सात दिन के शोक का एलान

वाराणसी। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना सैयद मोहम्मद अकील हुसैनी ने ईरान में शहीद हुए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की जिंदगी पर रोशनी डाली और अमेरिका व इस्त्राइल की जुल्म का विरोध किया। अमेरिका और इस्त्राइल हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की खबर से काशी के मुस्लिम समुदाय भी मर्माहत हैं। शिया जमात ने उनके इंतकाल पर शिया जामा मस्जिद के इमाम-ए-जुमा मौलाना जफरुल हुसैनी ने सात दिन के शोक का एलान किया है। इमाम-ए-जुमा ने लोगों को अपने प्रतिष्ठान बंद रखने, काले कपड़े पहनने और

घरों पर काले झंडे लगाने का आह्वान किया है। वहीं, रविवार को मगरिब की अजान के बाद रोजा इफ्तार के दौरान रोजेदारों ने अल्लाह से खामनेई के मगफिरत के लिए दुआएं मांगीं। वक्फ मस्जिद व कब्रिस्तान खास मौलाना मीर इमाम अली पितरकुंडा में रोजा इफ्तार हुआ। मगरिब की नमाज मौलाना जफर हुसैनी ने अदा कराई। मुल्क में अमन-ओ-आमन और तरक्की के साथ खामनेई के लिए दुआख्वानी की गई। अंजुमन हैदरी ने नौहाख्वानी पेश की। इफ्तार व मजलिस में मौलाना मेहंदी रजा, मौलाना इश्तियाक अली, मौलाना बाकर रजा बलियावी, सैयद अब्बास मुतुर्जा शम्सी, इकबाल हुसैन, सैयद हैदर अब्बास चांद, हैदर मौलाई, नायाब रजा आदि ने शिरकत की। शुक्रिया मौलाना मौसूफ के खानवादे व संयोजक सैयद मुनाजिर हुसैन मंजू ने अदा किया। आज करेंगे एहतेजामी जलसा इमाम-ए-जुमा मौलाना जफरुल हुसैनी ने बताया कि ईरान पर किए गए हमले और खामनेई की मौत के विरोध में सोमवार को सुबह 11 बजे लाट सरैया में एहतेजाजी जलसा होगा। बनारस के उलेमाओं और लोगों से इस जलसे में शामिल होने की अपील की है। कहा कि सभी शांति प्रिय माहौल में शामिल होकर अपना विरोध जताएं।

उन्नाव में एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, तीन यात्रियों की मौत

कानपुर। यूपी के उन्नाव जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ। दुर्घटना में तीन यात्रियों की जान चली गई जबकि 31 यात्री घायल हो गए। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। रात करीब 12 आगरा फोर्ट की बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे में 14 सवारी घायल हो गईं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच एंबुलेंस से सभी घायलों को बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया साथ ही हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस रोडवेज बस हटवाने के बाद रात्रि 2:30 बजे क्षतिग्रस्त ट्रक को प्रीतमपुरा चौकी ले

जाया जा रहा था, तभी आगरा फोर्ट की ही दूसरी रोडवेज बस इस ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में तीन सवारियों की मौत हो गई उसमें बैठी 17 सवारियां घायल हो गईं। फिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बसों के घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मृतकों की पहचान न होने पर शव पोस्टमार्टम हाउस में रखवाए गए हैं। कोतवाल अखिलेशचंद्र पांडेय ने बताया कि ट्रक सड़क के किनारे खड़ा था। दोनों बसों में 31 सवारियां घायल हुई हैं। तीन की मौत हुई है। शवों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

चंद्र ग्रहण के कारण पूरे दिन नहीं होंगे बाबा आनंदेश्वर के दर्शन

कानपुर। चंद्र ग्रहण के चलते तीन मार्च को आनंदेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। मंदिर प्रशासन ने रविवार को इसकी सूचना जारी की। सूतक काल को ध्यान में रखते हुए भोर 4:30 बजे होने वाली मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। भक्त केवल मंगला आरती के समय ही बाबा के दर्शन कर सकेंगे। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे प्रारंभ होकर शाम 6:48 बजे समाप्त होगा। कानपुर में चंद्रोदय शाम 6:00 बजे होगा, जिससे ग्रहण का प्रभाव लगभग 48 मिनट तक रहेगा। ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र एवं सिंह राशि में लगेगा और संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर परिसर की शुद्धि और साफ-सफाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों को पुलिस करेगी सीज, अभियान शुरू

बस्ती। सड़क हादसों पर नियंत्रण कसने के लिए पुलिस ने मास्टर प्लान तैयार किया है। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में हाईवे या प्रमुख मार्ग और संपर्क मार्गों के किनारे भारी वाहन खड़ा करने पर पुलिस सीज कर लेगी। इसके लिए टीमें लगातार पेट्रोलिंग करेंगी। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने रविवार अभियान की शुरूआत कर दी है। बस्ती- अयोध्या के बीच हाईवे के किनारे सीओ हरैया स्वर्णिमा सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम की पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। ढाबों और होटलों के सामने सड़क के किनारे ट्रेलर, ट्रक, बस आदि बड़े वाहन दिन या रात के समय खड़े मिलेंगे तो पुलिस तत्काल संबंधित वाहन को सील करेगी। सड़क पर तीव्र ध्वनि में डीजे बजाते हुए चलने पर या सब्जी आदि के ठेलों पर चाइनीज लाउडस्पीकर से शोर मचाने पर पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी। होली पर्व के मद्देनजर होटल, ढाबों पर लगातार चेकिंग की जाएगी।

बसपा की तैयारी बैठक में 15 मार्च को लखनऊ कूच की बनी रणनीति

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी पिछड़ा वर्ग भाई चारा कमेटी की बैठक रविवार को बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के अरईल दीगर पट्टी गांव में बसपा विधानसभा क्षेत्र महासचिव उमाशंकर राव की अध्यक्षता में हुई। इसमें पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ने के साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को बसपा का सदस्य बनाया गया। मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग भाई चारा के जिला संयोजक केसी मौर्य और विशिष्ट अतिथि अनूप कुमार एडवोकेट ने कहा कि 15 मार्च को बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के अवसर पर लखनऊ के कांशीराम स्मारक स्थल पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी करेंगे। इसी एकजुटता से बसपा के सरकार बनाने का संकल्प पूरा होगा। बैठक में पिछड़ा वर्ग के हितों के लिए बसपा के कार्यों पर चर्चा की गई। संचालन विधानसभा संयोजक गौड़ महेश चन्द्रवंशी ने किया। बसपा विधानसभा क्षेत्र के महासचिव उमाशंकर राव ने कहा कि बस्ती से 15 मार्च को लोग कांशीराम स्मारक स्थल पहुंचेंगे।

13 माह तक फिर लटक गई सीमा विस्तार की फाइल

बस्ती। नगर पालिका परिषद बस्ती के सीमा विस्तार का सपना इस साल पूरा नहीं होगा। इसके लिए फिर से शहरवासियों को 13 माह इंतजार करना पड़ेगा। कारण, जनगणना प्रक्रिया शुरू होने के चलते सीमा विस्तार और नाम परिवर्तन संबंधी कार्यों पर रोक है। ऐसे में लोगों का इंतजार बढ़ गया है। बता दें कि पिछले दो साल से नपा बस्ती सीमा विस्तार की फाइल शासन में लटकी हुई है। विस्तार न होने से नगर पालिका के राजस्व में भी वृद्धि नहीं हो पा रही है। अब, 13 माह यानी की जनगणना की प्रक्रिया पूर्ण होने तक इस कार्य पर रोक है। बताया गया कि वर्ष 2027 तक जनगणना का कार्य चलेगा। तब तक सीमा विस्तार की फाइल पर हरी झंडी मिलना मुश्किल है। ऐसे में सीमा विस्तार वाले गांवों के लोगों को इंतजार अभी और करना पड़ेगा। शहरी सुविधा पाने के लिए लंबे समय से आसपास के नागरिक प्रतीक्षा कर रहे हैं। बताया गया कि जनगणना मई में शुरू होगा। ऐसे में नाम परिवर्तन, सीमा संबंधी विस्तार आदि कार्यों पर रोक लगा दी गई है। इससे नपा बस्ती सीमा का विस्तार संबंधी फाइल पर फिर से अनुमोदन मिलना मुश्किल भरा है। 25 से बढ़कर 40 हो जाएगी वार्डों की संख्या : वर्तमान समय में शहर में 25 वार्ड हैं। सवा लाख आबादी है। जानकारों का कहना है कि नये गांवों के शामिल होने के बाद साढ़े तीन लाख आबादी हो जाएगी। वर्तमान में 19.4 वर्ग किमी क्षेत्र में शहर फैला है।

रहमत के बाद अब मगफिरत का दौर, रमजान का दूसरा अशरा शुरू

नगर बाजार (बस्ती)। जामा मस्जिद में रमजान माह के दूसरे अशरे की शुरूआत पर इमाम कारी नूर आलम ने नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा कि पहला अशरा रहमत, दूसरा मगफिरत और तीसरा जहन्नुम से निजात का होता है। शनिवार को 10 रोजे पूरे होने के बाद बाबरकत माह-ए-रमजान का पहला अशरा पूरा हो गया। पहला अशरा रहमत का होता है। इसी के साथ एक मार्च से दूसरा अशरा शुरू हो गया जो कि मगफिरत का है। दूसरे अशरे में अपने गुनाहों की माफी मांगना सबसे अफजल मना गया हैं। पहले अशरे में रोजेदारों ने रहमत की दुआओं के साथ इबादत की, अब दूसरे अशरे में पे मगफिरत यानी गुनाहों से माफी की दुआएं मांगने के साथ इबादत करेंगे। उन्होंने दूसरे अशरे की फजीलत बताते हुए ज्यादा से ज्यादा इबादत करने और तौबा-इस्तिगफार यानि गुनाहों से माफी मांगने की अपील की। कहा कि रमजान का दूसरा अशरा इंसान को अपने गुनाहों से सच्चे दिल से तौबा करने का मौका देता है। इस अशरे में दुआ के साथ ही उन्होंने पांचों वक्त की नमाज की पाबंदी, कुरान की तिलावत और जरूरतमंदों की मदद करने की नसीहत दी।

22 शीशी देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बस्ती। सोनहा पुलिस ने 22 शीशी देसी शराब के साथ रामनगर कठौतिया निवासी राजेश मिश्रा को रविवार को गिरफ्तार किया है। थानेदार महेश सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने होली के दिन शराब की दुकानों की बंदी के दिन खपाने के लिए 22 शीशी देसी शराब अवैध रूप से एकत्र की थी। आरोपी पर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म का आरोपी को पुलिस ने दबोचा

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे के भीतर त्रिलोकपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर विधिक कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया गया, वहां से उसे जेल भेज दिया गया। कप्तानगंज के थानेदार आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता की मां ने मरवाटिया तिवारी निवासी आरोपी दिलीप (24) पर बेटी के साथ दुष्कर्म करने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दे रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि आरोपी त्रिलोकपुर पेट्रोप पंप के पास है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

परिषदीय विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा की तैयारी

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी गई है। शैक्षिक सत्र 2025-26 के पठन-पाठन का कार्य अंतिम चरण में है। कई विद्यालयों में शिक्षकों का दावा हैं कि पाठ्यक्रम पूरा कर लिया गया है। होली बाद कभी भी वार्षिक परीक्षा की समय सारिणी जारी हो सकती है। यूपी बोर्ड परीक्षा में 50 प्रतिशत शिक्षकों की ड्यूटी लगने के कारण परिषदीय स्कूलों की तिथियां अभी घोषित नहीं हो सकी है। विभाग के अनुसार 12 मार्च को बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद यह परीक्षा कभी भी शुरू कराई जा सकती है।

बच्चों संग खेले युवराज सिंह,लड़कियों को मोटिवेट कर बोले, अच्छा कैच पकड़ा, लड़कों कुछ सीख लो

लखनऊ (संवाददाता)। क्रिकेटर युवराज सिंह सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट की टिप्स दिए। इस दौरान बच्चों ने बॉलिंग की और युवराज ने बैटिंग। इसी के साथ युवराज ने कैच लेने की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान युवराज सिंह ने लड़कियों की तारीफ करते हुए कहा बहुत अच्छा कैच पकड़ा है। लड़कों देख लो। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा आप सभी को हर बॉल पर तैयार रहना चाहिए। मैदान पर कभी भी लूज होकर नहीं खड़े होना चाहिए। लूज खड़े रहने पर कैच छूटेगा, बॉल चली जाएगी। रिलैक्स होकर हल्के हाथ से कैच पकड़ा जाता है। इस दौरान युवराज ने अपने बैट छोड़कर भागने का अपना एक किस्सा भी सुनाया। युवराज सिंह ने खिलाड़ियों को बॉलिंग करने के टिप्स दिए। बताया कि स्पिन गेंदबाजी के साथ में पेस अटैक पर किस तरह से सही लाइन लेंथ पर बॉल की जाती है। बॉलिंग करते समय बॉडी का पॉस्चर क्या होना चाहिए? बॉल कहां से कब रिलीज करनी होती है? इसके साथ ही युवराज ने चौके-छक्के कैसे लगाएं, यह भी बताया। युवराज के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बॉलिंग और बैटिंग भी की। युवराज सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा पहली बात मैं तीन बार का वर्ल्ड कप विनर हूं।

नंदीश्वर मंडल विधान आयोजित

ग्वालियर। पर्वराज अष्टान्हिका महापर्व के अंतर्गत श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन लाल मंदिर में श्री नंदीश्वर मंडल विधान तीसरे दिन भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सुबह भगवान श्री 1008 शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात मंडल विधान की विधियां प्रारंभ हुईं। वाणिभूषण पं. प्रमोद जैन (मुरार) के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया। तीसरे दिन 6 पूजाएं संपन्न हुईं। इस प्रकार तीन दिनों में कुल 19 पूजाएं पूर्ण हो चुकी हैं। श्रद्धालुओं ने अनुशासन एवं समर्पण भाव से सहभागिता की। राष्ट्रीय संयोजिकाएं निर्मल जैन, रेखा जैन एवं उषा जैन का मार्गदर्शन तथा क्षेत्रीय संयोजिका संध्या जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। जैन मिलन महिला, फालका बाजार शाखा एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। शाखा अध्यक्ष शैफाली जैन एवं मंत्री इंदु जैन सहित समाज के अनेक श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

एमिटी में विज्ञान में महिलाएं थीम पर दो दिवसीय आयोजन

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान में महिलाएं विषय पर दो दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आर.एस. तोमर ने उद्घाटन संबोधन दिया, जबकि प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा एवं मुख्य अतिथि प्रो. कर्मवीर आर्य ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और नवाचार के लिए प्रेरित किया। डॉ. यू.एस. शर्मा (आरजेआईटी, टेकनपुर) ने विज्ञान में महिलाओं की भूमिका पर विचार रखे। पेपर प्रेजेंटेशन में मुस्कान भाटिया प्रथम, चारु शर्मा द्वितीय तथा गायत्री केरेकर व साक्षी कटारे तृतीय रहीं। पोस्टर में मोहित शर्मा-सिद्धार्थ पुहान प्रथम रहे। मॉडल में सोनी, प्राची शर्मा विजेता रहीं। क्विज में अभिषेक राज प्रथम रहे। आयोजन का संचालन डॉ. पंकज कुमार मिश्रा व डॉ. नेहा शर्मा ने किया, जबकि रिपोर्ट डॉ. मनीषा सिंह ने प्रस्तुत की।

अशोक प्रेमी बने अध्यक्ष

ग्वालियर। ग्वालियर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बिरला नगर के चुनाव एसोसिएशन कार्यालय में चुनाव अधिकारी एसके अग्रवाल के देखरेख में हुए। जिसमें ग्वालियर इंडस्ट्रीज एसोशिएशन के अध्यक्ष पद पर अशोक प्रेमी, संयुक्त अध्यक्ष अंकित अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रणय शर्मा, सचिव पद पर उदय गुप्ता, संयुक्त सचिव पद पर तरुण धवन, कोषाध्यक्ष पद पर अनूप अग्रवाल निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य संदीप नारायण अग्रवाल, खालिद रहमान ,पुरुषोत्तम कौशिक, अभय गर्ग, विशाल अग्रवाल, कमल गोयल, राजकुमार राय, आदित्य छापरवाल चुने गए।

होली मिलन समारोह कल

ग्वालियर। गायक कलाकार मित्र समूह एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में बैजाताल पर 3 मार्च शाम 4 बजे होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में गायक कलाकार मित्र समूह के सदस्य सिर्फ होली के गीतों की प्रस्तुति देंगें, इसके बाद फूलों से होली खेली जाएगी। कार्यक्रम संयोजक सुरेश घोड़के, प्रवीण सक्सेना, हर्षदा गोखले, पूजा शर्मा और अंजू मस्तागर आदि मौजूद रहेंगे।

वीआईएसएम में होली मिलन समारोह सम्पन्न

ग्वालियर। वीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में होली मिलन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पताल के स्टॉफ सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। परिसर में रंग-बिरंगे गुलाल और फूलों की होली के साथ प्रेम एवं सौहार्द का वातावरण दिखाई दिया। समारोह की शुरुआत एक-दूसरे को गुलाल लगाकर की गई। इसके बाद चेयर रेस और म्यूजिकल गेम जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन हुआ। कुछ स्टॉफ सदस्यों ने काव्य पाठ और एकल गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। हंसी-मजाक और तालियों की गूंज से माहौल जीवंत बना रहा। संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आपसी विश्वास, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह एवं समाजसेवी मुकेश भदौरिया सहित प्राचार्यगण व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जेप टू डोर ऐप लॉन्च, अब घर बैठे मिलेगा पसंदीदा खाना

ग्वालियर। शहर की स्टार्टअप दुनिया में एक और नया नाम जुड़ गया है। शहर के युवा दंपति उद्यमी यश सूरी और आशिषिका सूरी ने फूड डिलीवरी एप्लिकेशन जेप टू डोर लॉन्च कर शहर की उद्यमिता यात्रा को नई दिशा दी है। इस ऐप के माध्यम से अब शहरवासी अपने घर बैठे ही अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट से आसानी से भोजन ऑर्डर कर सकेंगे। स्टार्टअप का उद्घाटन रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर उपस्थित रहे। कंपनी के फाउंडर एवं सीईओ यश सूरी ने बताया कि बड़े शहरों की तरह अब ग्वालियर में भी तेज, भरोसेमंद और सुविधाजनक फूड डिलीवरी सेवा उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य है। इस ऐप के जरिए न केवल ग्राहकों को तेजी से भोजन उपलब्ध होगा, बल्कि स्थानीय रेस्टोरेंट संचालकों को भी अपने व्यवसाय के विस्तार का नया अवसर मिलेगा। स्टार्टअप की खास बात यह है कि यह पूरी तरह स्थानीय बाजार की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वरिष्ठ आईपीएस डीपी गुप्ता को पितृ शोक

ग्वालियर। ग्वालियर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं चंबल आईजी के पदों पर पदस्थ रहे वरिष्ठ आईपीएस डीपी गुप्ता के पिताजी श्री रामायण प्रसाद गुप्ता का शुक्रवार की रात्रि निधन हो गया। इसके पहले उनकी माताजी श्रीमती ललिता देवी गुप्ता का 15 फरवरी को निधन हो गया था। उनके पिता का सेमरिया, जिला रीवा में अंतिम संस्कार किया गया। श्री गुप्ता स्वयं अस्वस्थ होने के कारण कोकिलाबेन अस्पताल मुंबई में इलाजरत थे, वह भी अपने पैतृक निवास पहुंच गए हैं।

आदर्श रामलीला : कैकई ने भरत को राज्य, श्री राम को 14 वर्ष का वनवास मांगा

■ ग्वालियर

पंजाबी समाज झंग बिरादरी द्वारा आयोजित की जा रही आदर्श रामलीला में रविवार को लीला मंचन से पूर्व सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष हरिओम नागपाल ने अखंड रामायण का पूजन एवं मनौती पूर्ण करने वाले हनुमान के समक्ष पूजा-अर्चना की।

इसके बाद प्रभु श्री राम को 14 वर्ष का वनवास का मंचन प्रारंभ हुआ, जिसमें श्री राधा माधव मंडल ने गणेश वंदना एवं सदा ऊंचा रहे दुनिया में हिंदुस्तान का झंडा का गान प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात मंचन में कौशल्या द्वारा अपने बेटे राम को राजा बनाने की खुशी में खुशी मनाते हुए गीत गाती हैं, खुशियां मनाऊं गीत मैं गाऊं आरती मैं गांऊ मेरा बेटा राजा बना और उधर कैकई को राम को राज्य अभिषेक होने की खुशी मनाते हुए दिखाया गया, राजा दशरथ द्वारा पूरी अयोध्या में ढोल ताशे के साथ खबर (मुनादी) पहुंचाई जाती है कि राम को राजा बनाया जा रहा है तभी वहां से निकल रही यह बात मंथरा के कान तक पहुंचती है तो मंथरा उनसे पूछती है कि क्या हो रहा है तब प्रचार करने वाले बताते हैं कि अरे पगली तुझे नहीं पता भगवान राम को राजा बनाया जा रहा है, इसके बाद मंथरा की बात सुनकर कैकई कोप भवन में पहुंची और भरत के लिए राज्य तथा श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगा। मंचन में श्री राम की भूमिका देवसोनी पानीपत एवं लक्ष्मण की भूमिका कमल मल्होत्रा पानीपत ने निभाई। सोमवार को केवट संवाद की लीला का मंचन होगा।

मातृशक्ति अखंड दीप शताब्दी नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ में दी 1000 आहुतियां

■ ग्वालियर

गायत्री शक्तिपीठ तानसेन रोड के तत्वावधान में भगवती महिला मंडल एवं शिव शक्ति महिला मंडल द्वारा मातृशक्ति अखंड दीप शताब्दी नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ 28 फरवरी एवं 01 मार्च को कम्युनिटी हॉल हरिशंकर पुरम में आयोजित किया गया।

रविवार सुबह 9 बजे से शांतिकुंज प्रशिक्षित टीम द्वारा यज्ञ का प्रारंभ देव आह्वान संगीत के माध्यम से हुआ। तत्पश्चात गायत्री माता, गुरुजी एवं गुरु माताजी का पूजन किया गया। कलश पूजन के बाद आहुतियां दी गई। आहुतियां में विशेष रूप से सद्बुद्धि के लिए गायत्री मंत्र, सभी के स्वास्थ्य के लिए महामृत्युंजय मंत्र, पर्यावरण सुरक्षा हेतु बीज मंत्र, राष्ट्र के विकास के लिए एवं इजरायल-ईरान के युद्ध में मारे गए लोगों की शांति के लिए गायत्री बीज मंत्र की विशेष आहुतियां दी गई। कार्यक्रम का संचालन गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टी डॉ. संजय गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेंद्र सिंह कुशवाह का जन्मदिन बनाया गया। कार्यक्रम में वार्ड की पार्षद अपर्णा पाटिल एवं अजय पाटिल विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. ज्योति गुप्ता एवं गायत्री गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में 3 पुंसवन संस्कार, 10 विद्या आरंभ संस्कार 25 दीक्षा संस्कार एवं तीन जन्म दिवस संस्कार संपन्न कराए गए। यह संस्कार भक्ति दर्शन बरोलिया द्वारा वैदिक रीति रिवाज से कराए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्याम काश्तवर, मुकेश अग्रवाल, डॉ. आरसी गुप्ता, राजेंद्र बिलैया, रजनीकांत गुप्ता आदि मौजूद थे।

पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री चेतना केंद्र पिंटो पार्क मुरार के तत्वावधान में पांच कुडीय गायत्री महायज्ञ शिव मंदिर अमलतास कॉलोनी में 500 लोगों की उपस्थिति में गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ रविवार को हुआ। गायत्री चेतना केंद्र की व्यवस्थापक संजय शर्मा ने बताया कि यह महायज्ञ मातृशक्ति अखंड दीप जन्म शताब्दी वर्ष के समय शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देश पर संपन्न किया गया। ऐसे यज्ञ पूरे 1 वर्ष तक जगह-जगह संपन्न किए जाएंगे।

हंगरी स्टोन्स आर्ट फेस्टिवल आयोजित

नाटक में बताया आत्महत्या समाधान नहीं, समाज पर किया तीखा व्यंग्य

■ ग्वालियर

कला समूह में आयोजित हंगरी स्टोन्स आर्ट फेस्टीवल-2026 के अंतर्गत आर्टिस्ट्स कंबाइन इंस्टिट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा प्रस्तुत हिंदी व्यंग्य नाटक आत्महत्या ने दर्शकों को हंसी के माध्यम से गहरे सामाजिक प्रश्नों से रूबरू कराया। नाटक के लेखक आलोक शुक्ल तथा निर्देशन ऋषिता मंगल द्वारा किया गया।

नाटक की शुरुआत दो बेरोजगार युवकों सुरेश और रमेश की बातचीत से होती है, जो जीवन की निराशा, बेरोजगारी और व्यवस्था से उपजे हताशा भरे माहौल में आत्महत्या करने का निर्णय लेते दिखाई देते हैं। वे आत्महत्या को एक समाधान की तरह पेश करते हैं, लेकिन उनकी बातचीत में व्यंग्य और विडंबना लगातार झलकती रहती है।

इसी बीच एक तीसरा व्यक्ति प्रवेश करता है, जो पहले उन्हें समझाने का प्रयास करता है, परंतु धीरे-धीरे स्वयं भी उसी निराशा का शिकार दिखाई देता है। चर्चा मीडिया, राजनीति, बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक पाखंड तक पहुंचती है। मंच पर हॉकर और चैनल वाला जैसे पात्र प्रवेश कर इस त्रासदी को भी खबर और तमाशा बना देते हैं। मीडिया की सनसनीखेज प्रवृत्ति पर तीखा कटाक्ष करते हुए दिखाया गया कि कैसे आत्महत्या जैसी गंभीर घटना भी टीआरपी का साधन बन जाती है। कथा में एक छोटी बच्ची का प्रवेश भावनात्मक मोड़ लाता है। उसके मासूम सवाल बड़े-बड़े तर्कों को तोड़ देते हैं। सूत्रधार पूरे नाटक में घटनाओं को जोड़ते हुए दर्शकों को संकेत देता है कि समस्या आत्महत्या नहीं, बल्कि सोच की है। अंतिम दृश्यों में व्यंग्य अपने चरम पर पहुंचता है, जब आत्महत्या की तैयारी भी एक सामाजिक नाटक और प्रदर्शन में बदल जाती है। अंत में प्रश्न यही उठता है-मर कौन रहा है? व्यक्ति, व्यवस्था या संवेदनशीलता?

नाटक ने स्पष्ट संदेश दिया कि आत्महत्या समाधान नहीं, बल्कि समाज की विफलताओं का प्रतीक है। हंसी के माध्यम से गंभीर प्रश्न उठाने में यह प्रस्तुति सफल रही।

डॉ. अवधेश दिवाकर 'वन हेल्थ पहल' के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

■ ग्वालियर

केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली के सिलवासा स्थित नमो चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित आईएपीएसएमसी ओएन- 2026 राष्ट्रीय सम्मेलन में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय का मान बढ़ा है। महाविद्यालय के डॉ. अवधेश दिवाकर को मध्यप्रदेश में वन हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत उनके उत्कृष्ट और सक्रिय योगदान के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मान प्रदान करने वालों में आईएपीएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक भारद्वाज, जनरल सेक्रेटरी डॉ. मनीष सिंह और संगठन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। इस गौरवशाली अवसर पर देश भर के जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. दिवाकर के प्रयासों की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि वन हेल्थ एक एकीकृत दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य लोगों, जानवरों और हमारे साझा पर्यावरण के स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाना और उसे बेहतर करना है। डॉ. दिवाकर ने मध्यप्रदेश में जूनोटिक बीमारियों (जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियां) के नियंत्रण और पर्यावरण स्वास्थ्य की दिशा में जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य किया है। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने कहा कि डॉ. अवधेश की इस उपलब्धि ने न केवल उनके विभाग, बल्कि संपूर्ण गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय और ग्वालियर संभाग का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है।

छत्रसाल विवि के विद्यार्थियों ने किया जीवाजी विवि का शैक्षणिक भ्रमण

■ ग्वालियर

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के विद्यार्थियों ने पीएम उषा योजना के तहत जीवाजी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मनोविज्ञान विभाग, केंद्रीय पुस्तकालय एवं पुरातत्व विभाग के संग्रहालय का अवलोकन किया।

इस अवसर पर पुरातत्व एवं मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. शान्तिदेव सिसोदिया ने विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों तथा प्रयोगात्मक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने उच्च शिक्षा में शोध की भूमिका तथा मनोविज्ञान विषय की समकालीन प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला। वहीं विद्यार्थियों ने केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध विविध शैक्षणिक संसाधनों का अवलोकन किया।

साथ ही पुरातत्व संग्रहालय में संरक्षित ऐतिहासिक धरोहरों के विषय में जानकारी प्राप्त की। प्रो. सिसोदिया ने कहा कि इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शोध वातावरण तथा अकादमिक संरचना से परिचित कराना था।

मधुर मराठी मंच की काव्य गोष्ठी व मिलन समारोह आयोजित

ग्वालियर। मधुर मराठी मंच की मासिक काव्य गोष्ठी एवं मराठी साहित्यकार मिलन समारोह का आयोजन सूबे की गोठ स्थित मोरगांवकर राम मंदिर परिसर में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में मराठी कवि एवं कवयित्रियों ने रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ. श्रीनिवास टोणपे ने की। संस्था के अध्यक्ष अशोक शिरढोणकर ने बताया कि डॉ.टोणपे के प्रकाशित दो काव्य संग्रहों का विमोचन भी वरिष्ठ साहित्यकारों कुंदा जोगलेकर एवं डॉ. एनएन लाहा ने किया। काव्य गोष्ठी के प्रारंभ में डॉ. श्रुति शिरढोणकर ने सुमधुर सरस्वती प्रस्तुत की। विनीता मोघे ने स्त्री आणि तुलसी, हास्य कवि दीपक बापट ने चांगले दिवस व ओढवलेले दुखणे, डॉ. श्रुति शिरढोणकर ने पलाश चे रंग घेऊन आली होली, दीपक जोशी ने आजी आजोबान पासून दूर, मोरेश्वर डोंगरे ने मराठी माझी भाषा, हरि धारकर ने इथे आमराई छान वसंत गीत, डॉ. सुभाष भालेराव ने आयुष्य चार दिवसाचे असते, रिमिता मोरगांवकर ने मला असे वाटते विसावा, कुंदा जोगलेकर ने बालपण तरुणपण जीवनाच्या शेवटी होली कविता, कादंबरी आर्य ने पालक घेऊन येतात मुलांना, डॉ. एन एन लाहा ने क्षणिकाएं, प्रमोद गजेन्द्र गडकर ने मराठी कवि कुसुमाग्रज का स्मरण कर माझी आई शिकलेली नव्हती पण, अरुण गिजरे ने ये मुरारी ये जरा, राजेन्द्र टेंबे ने प्रेम हे असेच असते, अशोक शिरढोणकर ने रंग गुलाल पिचकारी घेऊन, सुभाष मोरगांवकर ने पैसा मोठा नाही, भारती वैशंपायन ने प्रेम कोणत्याही रुपा मधे असू शकते, डॉ. टोणपे ने रे मना जाण तू.... आदि रचनाओं का प्रस्तुतीकरण हुआ, कार्यक्रम का संचालन भारती वैशंपायन ने किया। संस्था के विशेष सहयोगी नगर के व्यवसायी सुभाष वाघ की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। अंत में सचिव राजेन्द्र टेंबे ने नवगठित कार्यकारिणी का औपचारिक परिचय प्रस्तुत कर संस्था द्वारा स्मारिका प्रकाशन की चर्चा की।

एमआईटीएस के विद्यार्थियों को द्वितीय स्थान

ग्वालियर। माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सिम्बायोसिस कौशल हैकाथॉन में द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। यह 36 घंटे का हैकाथॉन सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, इंदौर में आयोजित हुआ। जिसमें देशभर की टीमों ने सहभागिता की। विजेता टीम को 31 हजार रुपए की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। टीम में कृष्णा दीक्षित (कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी, तृतीय वर्ष), सचिन वर्मा (सूचना प्रौद्योगिकी, तृतीय वर्ष) एवं ऋषभ पाटीदार (सूचना प्रौद्योगिकी, तृतीय वर्ष) शामिल रहे। विद्यार्थियों ने बताया कि प्रतियोगिता में सीमित समय में समाधान विकसित कर प्रस्तुत करना चुनौतीपूर्ण होने के साथ सीखने वाला अनुभव भी रहा। प्रतियोगिता की समस्या थी कि इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट अवसर बिखरे होने से आवेदन और अनुश्रवण कठिन हो जाता है।

एलएनआईपीई में एडवांस्ड पैरा स्विमिंग कोचेस वर्कशॉप का समापन

पैरा तैराकी की बताईं जटिलताएं और एथलीट वर्गीकरण प्रणाली

■ ग्वालियर

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में आयोजित चार दिवसीय उन्नत पैरा तैराकी प्रशिक्षक कार्यशाला का उत्साह के साथ समापन हुआ। बियॉन्ड द लेन्स शीर्षक से आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में पैरा तैराकी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सशक्त बनाना रहा। कार्यशाला का आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) द्वारा ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से किया गया।

यह पहल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेल क्षेत्र में बढ़ते सहयोग और समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम का नेतृत्व स्विमिंग ऑस्ट्रेलिया के दो अंतरराष्ट्रीय कोच मार्टिन रॉबर्ट्स (दो बार के ओलंपियन) और नाथन डॉयल ने किया। देशभर से आए 33 चयनित प्रशिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया और पैरा तैराकी की तकनीकी जटिलताओं, एथलीट वर्गीकरण प्रणाली तथा प्रतियोगी तैयारी के आधुनिक तरीकों की गहन जानकारी प्राप्त की। एलएनआईपीई, ग्वालियर में स्थानीय समन्वयक के रूप में डॉ. वीके डबास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पूर्व 24 फरवरी को नई दिल्ली के तालकटोरा तैराकी परिसर में आयोजित उद्घाटन सत्र का समन्वय पीसीआई के खेल विकास एवं प्रदर्शन निदेशक डॉ. मनीष राणा द्वारा किया गया था। 28 फरवरी को आयोजित समापन समारोह की अध्यक्षता पैरा स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (रामू) ने की। उन्होंने सभी 33 प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उनके समर्पण की सराहना की।

न्यूमोनिया एक गंभीर बीमारीः डॉ. अग्निहोत्री

ग्वालियर। बच्चों में न्यूमोनिया के प्रभावी उपचार और रोकथाम को लेकर रविवार को होटल सयाजी में पेएसीई वर्कशॉप का आयोजन हुआ। यह कार्यशाला ग्वालियर अकादमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा आयोजित की गई, जिसमें शहर सहित आसपास के 56 बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रमुख ट्रेनर के रूप में डॉ. जयंत जोशी (डॉ. दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पिटल, पुणे), डॉ. राहुल शर्मा (पल्मोनोलॉजिस्ट, अरविंदो हॉस्पिटल, इंदौर), डॉ.एम.एल. अग्निहोत्री (वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ) और डॉ. रवि अंबे (प्रोफेसर, कमला राजा हॉस्पिटल, ग्वालियर) उपस्थित रहे। प्रथम सत्र में डॉ. अग्निहोत्री ने बताया कि पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में न्यूमोनिया आज भी एक सामान्य लेकिन गंभीर बीमारी है। लगभग 45 प्रतिशत मामले वायरल होते हैं, किंतु न्यूमोकोकल, स्टाफीलोकॉकस, क्लैमिडिया और माइकोप्लाज्मा संक्रमण भी प्रमुख कारण हैं। डॉ. रवि अंबे ने कम्युनिटी एक्वायर्ड न्यूमोनिया पर प्रकाश डालते हुए टीकाकरण के महत्व को रेखांकित किया।

संपादकीय

वैश्विक व्यवस्था पर बड़ा खतरा

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की शनिवार को हत्या के बाद अब वैश्विक व्यवस्था बदलने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने मिलकर शनिवार सुबह-सुबह हमला किया और इसे अपने बचाव के लिए किया गया हमला बताया। हालांकि यह खोखले बहाने से ज्यादा कुछ नहीं है। असल बात यह है कि इजरायल और अमेरिका लंबे अरसे से ईरान पर हमले की योजना बना रहे थे। पिछले साल जून में किए हमले का तगड़ा जवाब ईरान ने दिया था। तब भी खामनेई को मारने की कोशिश की गई थी, हालांकि इसमें उसे सफलता नहीं मिली थी। जून के बाद ईरान को आर्थिक नुकसान हुआ था। इसके बाद इस साल की शुरूआत में ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिसकी वजह से आंतरिक तौर पर भी कमजोरी आई। अब इजरायल और अमेरिका ने इसी बात का फायदा उठाया। बहाना हमेशा की तरह आतंकवाद और परमाणु बम बनाने का खतरा रहा है। हालांकि अमेरिका अब तक यह साबित नहीं कर पाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए हैं। क्योंकि परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को ईरान ने हमेशा नागरिक हितों के उद्देश्य के लिए बताया है। लेकिन यह अमेरिका की मर्जी है कि वह किसी देश की बात सुने या न सुने। तो उसने ईरान की नहीं सुनी और उसके सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी। ठीक वैसे ही जैसे इससे पहले अरब के कई देशों में लोकतंत्र लाने के नाम पर पहले गृहयुद्ध छिड़वाए, फिर वहां तख्तापलट किए। लीबिया में कर्नल गद्दाफी, मिस्र में होस्नी मुबारक, सीरिया में बशर अल असद ऐसे कई शासनाध्यक्ष अच्छे थे या बुरे थे, ये तय करने का हक वहां की जनता को था। लेकिन अमेरिका ने इसमें लगातार दखल दिया और अब उन देशों का क्या हाल है, ये पूरी दुनिया देख रही है। इनसे पहले इराक में भी विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर अमेरिका ने हमला किया था और सद्दाम हुसैन को फांसी तक दे दी। हालांकि वो हथियार कभी नहीं मिले और अब इराक भी तबाह है। ईरान को भी अमेरिका उसी राह पर धकेल रहा है। इससे पहले ताजा उदाहरण वेनेजुएला का है। जहां डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा ही करवा लिया और इसके लिए उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों को रिश्वत भी दी। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमेरिका में मुकदमा चल रहा है। लेकिन इसका नतीजा क्या होगा, ये कोई नहीं बता सकता। तो दुनिया को एकध्रुवीय बनाने के लिए अमेरिका कितनी चालें चलता रहा है, यह खुली किताब में दर्ज है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से अमेरिका में एक हनक और सनक तारी है कि वर्ल्ड ऑर्डर, यानी दुनिया में क्या, किस तरह से होने चाहिए यह अमेरिका ही तय करेगा और वही होने देगा, जिसमें उसका फायदा रहे। अगर उसे ऐसा लगेगा कि कोई देश उसके कहे मुताबिक नहीं चल रहा है, तो वह सीधे आक्रमण करेगा या फिर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री किसी की भी हत्या करवा देगा। इजरायल भी यही करता रहा है और यह कहने में गुरेज नहीं कि इजरायल अमेरिका के लिए एनेक्सी यानी अतिरिक्त सहायक इमारत (देश) ही है। तीसरी दुनिया के कई देश अमेरिका की इस नीति के भुक्तभोगी रहे हैं। इसलिए नेहरूजी ने जब गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो कई देशों ने इसका स्वागत और समर्थन किया। इस वजह से दुनिया में एक संतुलन वाली व्यवस्था बनी रही। बेशक रूस और चीन भी अपनी ताकत उन कमजोर देशों पर आजमाते रहे, जिनसे उन्हें तकलीफ थी, लेकिन अमेरिका जैसी बेशर्मी इन देशों ने भी नहीं दिखाई। मगर अब न नेहरूजी भारत का नेतृत्व कर रहे हैं, न उनके विचारों पर देश और दुनिया चल रहे हैं और न अमेरिका में लोकतंत्र का थोड़ा बहुत लिहाज रखकर चलने वाला नेता है। वहां खांटी व्यापारी डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में है, जिनके लिए हर चीज एक सौदा ही है। अफसोस इस बात का है कि भारतीय नेतृत्व भी इस समय व्यापारी मानसिकता से ही संचालित हो रहा है। जिसमें नैतिकता, मानवता, पारंपरिक नीतियां, पुरानी दोस्ती हर बात को ताक पर रखकर अमेरिका की जी हुजूरी करने को मास्टर स्ट्रोक मान लिया गया है। वर्ना क्या कारण है कि ईरान पर हमले और खामनेई की हत्या के 12-14 घंटे बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफसोस का एक वाक्य जाहिर नहीं किया। क्या ईरान से बरसों पुरानी दोस्ती को भारत सरकार ने इतनी आसानी से खत्म कर दिया है या इजरायल और अमेरिका ने अपने ख्याली आरोपों की आड़ में जिन मासूमों को मारा, उसमें प्रधानमंत्री मोदी को कोई आपत्ति नहीं है। मोदी इस समय किस तरफ हैं, यह देश को खुलकर बताना चाहिए। ध्यान दीजिए कि ईरान पर यह हमला तब हुआ जब दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी इजरायल के दौरे पर थे और वहां की संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने हमेशा इजरायल का साथ देने का ऐलान किया था। उस समय ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इजरायल में फिलीस्तीनियों के अधिकारों की बात उठाने की अपील की थी, लेकिन मोदी ने इस बारे में कोई बात नहीं की। व्यक्तिगत तौर पर वे चाहे जिसके मुरीद रहें, लेकिन देश का प्रधानमंत्री वैश्विक संकट के ऐसे मौके पर किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह जानने का हक जनता को है। भारत के लिए ईरान पर मंडरा रही अस्थिरता इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप हमारे मामले में दखल देते रहे हैं, उसमें यह संप्रभुता कब तक बरकरार रहेगी, यह सोचने वाली बात है। मई में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जब पाकिस्तान पर भारत निर्णायक बढ़त बना सकता था, तब ट्रंप के कहने पर ऑपरेशन रोक दिया गया। इसके बाद अनगिनत बार ट्रंप ने कहा है कि मैंने युद्ध रुकवाया।

अमेरिका का विश्व में आतंक, फायदा केवल पाकिस्तान को

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कहीं युद्ध के मोर्चे पर नहीं थे। उनके दफ्तर में मुखबिरों की मदद से उनकी हत्या कर दी गई। क्या मैसेज है? कि कोई नेता अपने देश में भी सुरक्षित नहीं है। उसके आसपास के लोग खरीदे जाएंगे और जब अमेरिका को वह फायदेमंद नहीं लगेगा उसे खतम कर दिया जाएगा। पहले अमेरिका उन्हें बदल देता था। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में यह उसने बहुत किया है और आज वहां उसका सबसे वफादार आदमी प्रधानमंत्री बनकर बैठा है। खैर पाकिस्तान पर हम लिखेंगे इसी लेख में आगे मगर पहले अमेरिका की दादागिरी और दुनिया के 55 से ज्यादा मुस्लिम देशों के आत्मसमर्पण पर। ईरान में खामेनेई की हत्या से पहले वह इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार चुका है। उस समय भी मुस्लिम देश खामोश रहे और आज तो उनमें से अधिकांश बेशर्मी के साथ अमेरिका के साथ खड़े हैं।

शकील अख्तर

युद्ध में हत्याएं नहीं होती। हत्या होती है आतंकवाद में। जो अमेरिका सबसे ज्यादा आतंकवाद के खिलाफ बात करता है वही अब सबसे बड़ा आतंकवादी बन कर दिखा रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कहीं युद्ध के मोर्चे पर नहीं थे। उनके दफ्तर में मुखबिरों की मदद से उनकी हत्या कर दी गई। क्या मैसेज है? कि कोई नेता अपने देश में भी सुरक्षित नहीं है। उसके आसपास के लोग खरीदे जाएंगे और जब अमेरिका को वह फायदेमंद नहीं लगेगा उसे खतम कर दिया जाएगा। पहले अमेरिका उन्हें बदल देता था। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में यह उसने बहुत किया है और आज वहां उसका सबसे वफादार आदमी प्रधानमंत्री बनकर बैठा है। खैर पाकिस्तान पर हम लिखेंगे इसी लेख में आगे मगर पहले अमेरिका की दादागिरी और दुनिया के 55 से ज्यादा मुस्लिम देशों के आत्मसमर्पण पर। ईरान में खामेनेई की हत्या से पहले वह इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार चुका है। उस समय भी मुस्लिम देश खामोश रहे और आज तो उनमें से अधिकांश बेशर्मी के साथ अमेरिका के साथ खड़े हैं। इजराइल का नाम हम इसलिए नहीं लिख रहे कि उसका अपना अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। वह जो है अमेरिका की सहायता से ही है। हां, लेकिन फिर भी सऊदी अरब, कुवैत, यूएई और भी कई मुस्लिम देश गजा के नरसंहार से आंखें मूंदकर उससे दोस्ती कर चुके हैं और अमेरिका के तो सब गुलाम हैं। अमेरिका केवल आज्ञाकारी शासक चाहता है। जनता से उसे कोई मतलब नहीं होता। वह शासकों की पूरी मदद करता है कि वे अपनी जनता को अशिक्षित, अंधविश्वासी बना कर रखें। मुस्लिम देश यही कर रहे हैं। साइंस टेक्नालाजी अंग्रेजी की पढ़ाई कहीं नहीं है। पीढ़ियां पीछे की तरफ जा रही हैं। ऐशोआराम के नकली सामान जो अमेरिका पहुंचाता है उनका उपयोग शान के साथ करते हैं। खुद के यहां कुछ नहीं बनता। यहां तक कि जो सबसे बड़ी दौलत है तेल उसे भी अपने आप नहीं निकाल सकते। साफ करना तो दूर की बात है। तेल भी अमेरिका ही निकालता है

और वही बताता है कि किसे बेचना है किसे नहीं। पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर होकर वे खुद को सुरक्षित समझते हैं। मगर यह भूल जाते हैं कि सुरक्षित तभी तक हैं जब तक अमेरिका के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहे हैं। जैसे ही एक भी हां में हां सही स्वर में नहीं मिलाई वह अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं करता सीधे कत्ल ही कर देता है। दो उदाहरण बताए। दो सबसे ताकतवर मुस्लिम देशों के शासकों के। ईराक के सद्दाम हुसैन और ईरान के खामेनेई के। कत्ल। आतंकवाद का एक पहलू और होता है डर ज्यादा से ज्यादा फैलाना। तो इसके लिए वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाकर ले गया। सोचिए किसी देश में घुसकर उसके राष्ट्रपति और उस की पत्नी को भी उठाकर ले जाना! और विश्व चुप रहे! गुंडागर्दी, आतंकवाद, डर और किसको कहते हैं? मुस्लिम देश अभी समझ नहीं रहे। वे तो अमेरिका के द्वारा दी गई सुविधाओं और सुरक्षा के झूठे आश्वासनों में झूम रहे हैं। लेकिन शासकों के एशोआराम अलग बात है लेकिन अगर ईरान की जनता लड़ गई तो यह मैसेज पूरे मुस्लिम देशों में जाएगा कि उनके भी अब खड़े होने का वक्त आ गया है। अरब देशों की जनता को वहां के शासक अमेरिका से मिलकर बाकी दुनिया से कई साल पीछे कर चुके हैं और उसी का नतीजा है कि आज जब लड़ाई ड्रोनों, मिसाइलों, कंप्यूटर से हो रही है तो वे उसके लड़ने की सोच भी नहीं सकते। कल उनके साथ कुछ होगा तो सिवा समर्पण के वे कुछ नहीं कर सकते। ईरान पर अमेरिका इजराइल के हमले के बहुत पहलू हैं। अगर रुस और चीन खड़े नहीं हुए तो एक ध्रुवीय व्यवस्था बन जाना। तेल के दाम बढ़ जाना। स्ट्रेट आफ होर्मुज (जलडमरू मध्य) बंद हो जाने से तेल का आना ही रुक जाना। मगर इस समय हम दो ही मुद्दों पर बात करना चाह रहे हैं। एक, जो लिखा कि 55 से ज्यादा देश होते हुए, एक शानदार विरासत रखते हुए, प्राकृतिक संसाधनों तेल से भरपूर होते हुए केवल समय के साथ न चल पाने के कारण आज किस तरह अमेरिका और इजराइल के भी पिछलग्गू बन गए।

दूसरा मुद्दा सीधा भारत से जुड़ा है। देश के सभी सीनियर डिप्लोमेट्स, टापब्यीरोक्रेट और रक्षा विशेषज्ञ जानते हैं कि आपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान क्यों ट्रंप को ज्यादा से ज्यादा खुश करने में लगा हुआ है। अगर कोई नहीं जानता तो वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। जो या तो जानते नहीं हैं। या जैसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कह रहे हैं कि उनकी गर्दन दोनों हाथ से ट्रंप ने दाब रखी है। ट्रंप के एक हाथ में बदनाम एपस्टीन की फाइलें हैं। राहुल के अनुसार अभी 35 लाख और हैं। और राहुल का ही दावा है कि उसमें प्रधानमंत्री मोदी के बारे में है!

एक उस हाथ का दबाव। दूसरा हाथ अडानी के खिलाफ क्रिमिनल केस लिए हुए है और राहुल कहते हैं अडानी का केस मतलब भाजपा का पूरा आर्थिक साम्राज्य। अडानी पर अगर कार्रवाई होती है तो भाजपा का सारा पैसा जो उसके पास है डूब जाएगा। खत्म हो जाएगा। राहुल कहते हैं इन दोनों कारणों से मोदी जी ट्रंप के सामने बोल नहीं सकते। फिलहाल राहुल इस दबाव की वजह से अमेरिका से हुई डील और उससे देश की खेती किसानी तबाह हो जाने, गारमेन्ट इंडस्ट्री खत्म हो जाने और देश के छोटे और लघु मध्यम उद्योग धंधे (एमएसएमई) की कमर टूट जाने की तरफ देश का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। आर्थिक तूफान की चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन एक और जो इसका महत्वपूर्ण पार्ट है उस पर अभी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। हां जैसा कि ऊपर लिखा देश का डिप्लोमेट ब्यूरोक्रेट रक्षा अधिकारी इसको समझ रहे हैं। लेकिन या तो वे प्रधानमंत्री से बोल नहीं पा रहे या मोदी सुनकर भी राहुल के शब्दों में कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। वे पूरी तरह कम्प्रोमाइज्ड (समझौते के अन्तर्गत, दबाव में) हैं। पाकिस्तान ट्रंप को खुश करके कश्मीर मुद्दा उठाना चाहता है। याद कीजिए आपरेशन सिंदूर में जब हमारी सेना पाकिस्तान को निर्णायक सबक सिखाने जा रही थी तो ट्रंप ने न केवल सीज फायर करवाया बल्कि कश्मीर मामला हल करने की भी बात कही थी। पाकिस्तान यही चाहता है। जबकि हमारा स्टैंड बिल्कुल स्पष्ट है कि कश्मीर अन्तरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं है। इस पर कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफेंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफेंस डिपार्टमेंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफेंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है।

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रैसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफेंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफेंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं।

ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफेंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा। ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक-मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफेंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.-3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफेंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था। अमरीका का सबसे बड़ा वॉरशिप फोर्ड पिछले जून से समुद्र में है और अब 11 महीने की तैनाती के लिए तैयार है, जो किसी अमरीकी वॉरशिप के सबसे लंबे लगातार मिशन का रिकॉर्ड तोड़ देगा।

किसान यूनियन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे

जिसमें दूसरे जरूरी मुद्दे भी शामिल थे। एसकेएम नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप के टैरिफ को गैर-संवैधानिक ठहराए जाने के बाद भी, भारत ने एकतरफा फ्री ट्रेड घोषणा के खिलाफ अपनी बात नहीं रखी है। अब भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और इसके बजाय वैश्विक दक्षिण के दूसरे विकासशील देशों और ब्रिक्स, शंघाई कोऑपरेशन आदि जैसे गुटों के साथ मिलकर विकसित देशों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जैसा कि पिछले हफ्ते नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने सही सुझाव दिया था।य 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र में हुई एसकेएम की बैठक में इस समझौते के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताते हुए, डॉ. इंद्रजीत ने बताया, श्एसकेएम की राष्ट्रीय परिषद बैठक में यह तय किया गया है कि जब तक सभी बड़ी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, जैसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करना, बिजली विधेयक, बीज विधेयक, चारों श्रम संहिताएं, जी राम जी अधिनियम,सी250प्रतिशत की दर पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और एलएआरआर अधिनियम 2013 को लागू करने की मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मजदूरों के साथ मिलकर स्वतंत्र संघर्षों के साथ एकजुट संघर्षों को तेज किया जाएगा। एसकेएम केन्द्रीय श्रम संगठनों के प्लेटफॉर्म और खेती-बाड़ी करने वाले मजदूर यूनियनों के साथ समन्वय बैठक करेगा ।

मोहन ठाकन

भारतीय किसान यूनियन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए कमर कस रहे हैं। मुख्य किसान यूनियनों ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले बैठक की और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे भारत में एक साथ लगातार संघर्ष की योजना बनाई, जिसमें दूसरे जरूरी मुद्दे भी शामिल थे। एसकेएम नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप के टैरिफ को गैर-संवैधानिक ठहराए जाने के बाद भी, भारत ने एकतरफा फ्री ट्रेड घोषणा के खिलाफ अपनी बात नहीं रखी है। अब भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और इसके बजाय वैश्विक दक्षिण के दूसरे विकासशील देशों और ब्रिक्स, शंघाई कोऑपरेशन आदि जैसे गुटों के साथ मिलकर विकसित देशों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जैसा कि पिछले हफ्ते नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने सही सुझाव दिया था।य 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र में हुई एसकेएम की बैठक में इस समझौते के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताते हुए, डॉ. इंद्रजीत ने बताया, श्एसकेएम की राष्ट्रीय परिषद बैठक में यह तय किया गया है कि जब तक सभी बड़ी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, जैसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करना, बिजली विधेयक, बीज विधेयक, चारों श्रम संहिताएं, जी राम जी अधिनियम,सी250प्रतिशत की दर पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और एलएआरआर अधिनियम 2013 को लागू करने की मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मजदूरों के साथ मिलकर स्वतंत्र संघर्षों के साथ एकजुट संघर्षों को तेज किया जाएगा। एसकेएम केन्द्रीय श्रम संगठनों के प्लेटफॉर्म और खेती-बाड़ी करने वाले मजदूर यूनियनों के साथ समन्वय बैठक करेगा और एकजुट संघर्षों की आखिरी योजना तय करेगी। इस बैठक में एसकेएम ने तय किया कि किसानों का संगठन 9 मार्च तक जनसभाओं के जरिए गांवों तक संघर्ष को ले जाएगा, जिसमें भारत के राष्ट्रपति से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को हटाने, प्रधानमंत्री को देश विरोधी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करने का निर्देश देने और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गेहूं और धान उपजाने वाले किसानों को बोनस खत्म करने का अर्ध-सरकारी पत्र वापस लेने का निर्देश देने की मांग की जाएगी। किसान भारत के राष्ट्रपति को ऐसे खुले खत भेजने के लिए पोस्ट ऑफिस तक जुलूस निकालेंगे। बैठक में उन गांवों में अभियान चलाने का फैसला किया गया जहां सेब, सोयाबीन, कपास, मक्का वगैरह जैसी प्रभावित हुई फसलें उगाई जाती हैं। एसकेएम के प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्ष के नेताओं से मिलेंगे और मांग करेंगे कि वे मोदी सरकार द्वारा बिजली के केन्द्रीकरण का विरोध करें और राज्यों के गणराज्यीय अधिकारों की रक्षा करें, संसद से राज्यों की कर लगाने की शक्ति को वापस लाने के लिए जीएसटी कानून में बदलाव करने की अपील करें, सेस और सरचार्ज सहित विभाज्य पूल में मौजूदा 33प्रतिशत के बजाय राज्यों को 60प्रतिशत हिस्सा दें। बैठक में श्रम संगठनों और खेती-बाड़ी के मजदूरों के प्लेटफॉर्म के साथ संसद के अगले सत्र के पहले दिन 9 मार्च को जंतर-मंतर पर एक मजदूर-किसान संसद आयोजित करने का फैसला किया गया। एसकेएम की बैठक में पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र और केरल समेत 9 राज्यों के 150 लोग शामिल हुए। बैठक में सभी राज्य के समन्वय समितियों से कहा गया कि वे 10 मार्च को बरनाला, पंजाब से शुरू होकर 13 अप्रैल जलियांवाला बाग दिवस तक पूरे भारत में महापंचायतें करें। इन महापंचायतों में हजारों किसान इकत्रा होंगे और भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और मोदी सरकार की दूसरी कॉर्पोरेट-समर्थक नीतियों के खतरों के बारे में बताएंगे और भविष्य में लंबे संघर्ष की तैयारी करेंगे। एसकेएम के एक बयान में बताया गया है कि 23 मार्च शहीद दिवस को पूरे भारत में औपनिवेशिक विरोधी दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, जिसकी विस्तृत योजना राज्य स्तर पर बनाई जाएगी। बैठक में पंजाब, ओडिशा और महाराष्ट्र में किसानों के आंदोलनों पर पुलिस के जुल्म की निंदा करने का एक प्रस्ताव भी पास किया गया। सात सदस्यों वाले अध्यक्ष मंडल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जोगिंदर सिंह उगराहां, राकेश टिकैत, डॉ. अशोक धावले, आशीष मित्तल, जगमोहन सिंह, राजन क्षीरसागर और जोगिंदर सिंह नैन शामिल थे। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा नॉन-पॉलिटिकल (इंडिया) के भेजे गए पत्र पर चर्चा की गई और उनसे बातचीत करने के लिए जोगिंदर सिंह उगराहां, युद्धवीर सिंह, पी कृष्णप्रसाद, रमिंदर सिंह पटियाला और बलदेव सिंह निहालगढ़ की पांच सदस्यों वाली कमेटी बनाने का फैसला किया गया। यह भी तय किया गया कि एमएसपी और उससे जुड़े मुद्दों पर किसानों की मांगों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई कमेटी से मिलने के लिए 15 सदस्यों वाली कमेटी बनाई जाएगी। एसकेएम के दिशानिर्देश के मुताबिक, ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) की हरियाणा राज्य कमेटी ने राष्ट्रीय परिषद द्वारा दिए गए संघर्षों के आह्वान का समर्थन किया है। संयुक्त किसान मोर्चा की मंगलवार को कुरुक्षेत्र में बैठक हुई। मास्टर बलबीर सिंह की अध्यक्षता में, 26 फरवरी को हुई राज्य स्तरीय बैठक में सभी पदाधिकारी और जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मूंज शिल्प ने बदली रजनी बाला की दुनिया

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन और नई संभावनाओं का दौर जारी है। महिलाएं अपने संकल्प और परिश्रम से आत्मनिर्भर विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। सुल्तानपुर के कुड़वार ब्लाक के गांव हरखपुर की रहने वाली रजनी बाला इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने मूंज उत्पादों में सिकहुला, भउका, दौरी, डोलची और कप जैसी कलाकृतियों को बढ़ावा देकर अपनी अलग पहचान बनाई है।रजनी बाला ने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। वह बताती हैं कि मूंज शिल्प का हुनर उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला। उनकी मां भी मूंज के उत्पाद तैयार करती थीं, जिससे बचपन से ही रजनी को इस कार्य का पारिवारिक वातावरण, व्यावहारिक अनुभव मिलता रहा। उसी सीख और लगन के दम पर आज रजनी विभिन्न प्रकार के मूंज उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भर बनी हैं। उनके पति दिल्ली में एक निजी कंपनी में कैब चलाते हैं और रजनी के काम में पूरा सहयोग देते हैं। उनके दो बच्चे हैं, बेटा लखनऊ में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है, जबकि बेटी सुल्तानपुर के एक विद्यालय में अध्ययनरत है। मूंज के प्रत्येक उत्पाद की कीमत अलग-अलग होती है, लेकिन लाभ की दृष्टि से यह व्यवसाय काफी मजबूत है।

ये संकेत अगर दिखाई दें तो न करें नजरअंदाज, हो सकता है ब्रेन ट्यूमर का खतरा

सिरदर्द एक सामान्य समस्या है, जिसे हम अक्सर थकावट, तनाव या नींद की कमी से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कुछ सिरदर्द ऐसे होते हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। जब सिरदर्द लगातार बना रहे, अचानक तेज हो जाए, या दवाइयों से आराम न मिले, तो यह शरीर में किसी अंदरूनी समस्या की चेतावनी हो सकता है।

कभी-कभी सिरदर्द गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है, जैसे-

ब्रेन ट्यूमर
हाई ब्लड प्रेशर
माइग्रेन
मस्तिष्क संक्रमण

इस लेख में, हम आपको बताएंगे कि सिरदर्द के कौन से लक्षण खतरनाक हो सकते हैं और उन्हें नजरअंदाज क्यों नहीं करना चाहिए।

अचानक तेज और असहनीय सिरदर्द

अगर सिरदर्द अचानक बहुत तेज हो जाए और सामान्य दवाइयों से आराम न मिले, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसा सिरदर्द ब्रेन हेमरेज, स्ट्रोक या मस्तिष्क में किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। कई बार यह दर्द गर्दन में अकड़न, उल्टी या देखने में परेशानी के साथ हो सकता है। यदि आपने पहले कभी इतना तेज दर्द महसूस नहीं किया, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ये संकेत शरीर हमें बड़ी समस्या की चेतावनी देने के लिए देता है, इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना जोखिमपूर्ण हो सकता है।

सुबह उठते ही सिरदर्द

अगर आपको रोज सुबह उठते ही सिर में भारीपन या दर्द महसूस हो, तो यह सामान्य थकावट नहीं हो सकता। यह ब्रेन ट्यूमर, उच्च रक्तचाप या नींद से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। खासकर अगर यह दर्द लगातार हो और कुछ घंटों तक बना रहे, तो यह गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में, आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

सिरदर्द के साथ उल्टी और चक्कर आना

अगर सिरदर्द के साथ आपको उल्टी, चक्कर आना या मतली महसूस हो, तो यह मस्तिष्क से जुड़ी गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। यह लक्षण माइग्रेन, ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क संक्रमण (मेनिन्जाइटिस) में भी देखे जा सकते हैं। अगर ये लक्षण बार-बार हो रहे हों और आराम से ठीक न हो रहे हों, तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। खुद से दवा लेने से स्थिति और बिगड़ सकती है।

आंखों के पीछे दर्द और धुंधला दिखना

अगर सिरदर्द के साथ आंखों के पीछे दर्द हो, रोशनी सहन न हो या देखने में धुंधलापन हो, तो यह आंखों से जुड़ी समस्या नहीं है। यह मस्तिष्क में दबाव या नसों से जुड़ी किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। यह लक्षण ग्लूकोमा, माइग्रेन या ब्रेन ट्यूमर के कारण हो सकते हैं। अगर यह लक्षण बार-बार हों, तो तुरंत आंखों के विशेषज्ञ (आई स्पेशलिस्ट) और न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श करें। आंखें और मस्तिष्क आपस में गहरे जुड़े होते हैं, इसलिए इस प्रकार का सिरदर्द हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

लगातार एक ही जगह दर्द

अगर सिरदर्द सिर के एक ही हिस्से में लगातार हो रहा हो, और वह कई दिनों या हफ्तों तक बना रहे, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। माइग्रेन में अक्सर ऐसा होता है, लेकिन अगर दर्द असहनीय हो या समय के साथ बढ़ता जाए, तो ब्रेन ट्यूमर की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता। खासकर जब सिरदर्द के साथ आवाज या रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, मतली या झुनझुनी जैसे लक्षण हों, तो आपको तुरंत जांच करानी चाहिए। सिरदर्द के इन लक्षणों को हल्के में न लें और समय रहते डॉक्टर से परामर्श लें। सिरदर्द कभी-कभी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जैसे ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क संक्रमण। इसलिए अगर आपको सिरदर्द के साथ अन्य लक्षण भी महसूस हो रहे हों, तो डॉक्टर से जल्दी मिलें।

रात में देर तक जागने की आदत पड़ सकती है भारी, जानिए इससे होने वाले नुकसान

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में नींद सबसे ज्यादा नजरअंदाज की जाने वाली चीज बन गई है। लोग देर रात तक मोबाइल चलाते रहते हैं, काम करते हैं या सीरीज देखते हैं। लेकिन क्या आप जानते

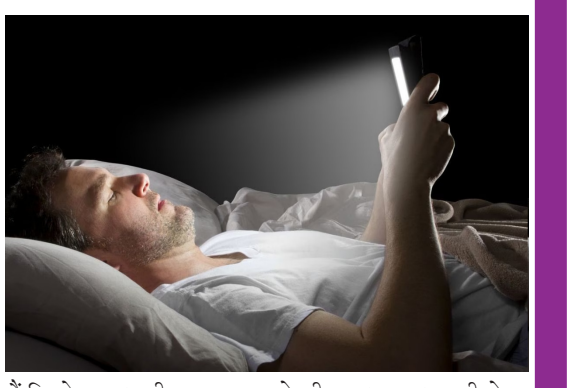

हैं कि रोजाना आधी रात तक जागने की यह आदत आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है?

आधी रात तक जागना क्यों है खतरनाक?

अगर आप रोज रात 12 बजे या उसके बाद सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं, तो आपकी नींद की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। यह असर धीरे-धीरे आपके शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और भावनात्मक संतुलन को भी बिगाड़ सकता है।

वजन बढ़ना शुरू हो सकता है

रात में देर तक जागने पर शरीर में घ्रेलिन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ने लगता है और लेप्टिन (भूख नियंत्रित करने वाला हार्मोन) कम हो जाता है। इससे बार-बार भूख लगती है, खासतौर पर तला-भुना और मीठा खाने का मन करता है। देर रात खाया गया खाना शरीर द्वारा अच्छे से पच नहीं पाता और फैट के रूप में जमा हो जाता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है। नींद की कमी से मेटाबॉलिज्म भी धीमा पड़ता है, जिससे कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

मूड पर पड़ता है बुरा असर

अपर्याप्त नींद का सीधा असर मस्तिष्क के न्यूरोट्रांसमीटर पर पड़ता है, जो आपके मूड को नियंत्रित करते हैं। इससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निराशा और बेचैनी जैसी भावनाएं बढ़ जाती हैं। जो लोग देर रात तक जागते हैं, वे दिनभर थके-थके और नकारात्मक सोच से घिरे रहते हैं। इसका असर रिश्तों, काम की गुणवत्ता और मानसिक शांति पर पड़ता है।

स्ट्रेस लेवल बढ़ सकता है

जब शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो उसमें कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है।दलगातार बढ़ा हुआ स्ट्रेस हार्ट बीट, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल को भी बिगाड़ सकता है। ज्यादा स्ट्रेस से नींद और भी खराब होती है, जिससे एक नेगेटिव साइकल बन जाता है द कम नींद , ज्यादा स्ट्रेस और भी कम नींद। लंबे समय तक ऐसा चलने पर डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

सोचने और एकाग्रता में होती है परेशानी

अच्छी नींद दिमाग को आराम देती है और नए विचारों को प्रोसेस करने में मदद करती है। जब आप रोज देर तक जागते हैं, तो मस्तिष्क को पूरी तरह रिचार्ज होने का समय नहीं मिल पाता। इसका असर आपकी मेमोरी, निर्णय लेने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति पर पड़ता है। ऐसे लोग छोटी-छोटी चीजें भूलने लगते हैं, और काम या पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।

कैसे बचें इन समस्याओं से?

रात 11 बजे से पहले सोने की आदत डालें। हर दिन एक तय समय पर सोएं और उठें, यहां तक कि वीकेंड पर भी। रात में भारी खाना और स्क्रीन टाइम कम करें। 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। अमेरिकी डॉक्टर और नींद विशेषज्ञों के अनुसार, अच्छी नींद न केवल वजन, मूड और सोचने की क्षमता को बेहतर बनाती है, बल्कि यह आपके लिवर और पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होती है।

ईपीएफओ पर सरकार का फैसला, कर्मचारियों के लिए ब्याज दर 8.25: बरकरार

नयी दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत निर्धारित की। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024 में ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। ईपीएफओ ने मार्च, 2022 में अपने सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद जमा पर ब्याज दर को 2021-22 के लिए घटाकर चार दशक से अधिक के न्यूनतम स्तर 8.10 प्रतिशत कर दिया था, जो 2020-21 में 8.5 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 8.10 प्रतिशत की दर 1977-78 के बाद सबसे कम थी। उस समय यह दर 8.0 प्रतिशत थी। सूत्रों ने बताया, ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले सर्वोच्च निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने सोमवार को अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर देने का निर्णय किया है। सीबीटी के निर्णय के बाद, 2025-26 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की सहमति के लिए भेजा जाएगा। सरकार की मंजूरी के बाद, 2025-26 का ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा कर दी जाएगी। ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार की मंजूरी के बाद ब्याज दर प्रदान करता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 2018-19 के लिए निर्धारित 8.65 प्रतिशत से घटाकर सात वर्षों में सबसे कम 8.5 प्रतिशत कर दिया था। ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। वहीं वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 दोनों वर्षों में 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर दी, जो 2012-13 की 8.5 प्रतिशत दर से अधिक थी। 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

डेंगू से बचाव इतना भी मुश्किल नहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कब करानी चाहिए जांच

डेंगू बुखार एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर दिन के समय ज्यादा काटते हैं। जून से लेकर सितंबर-अक्तूबर तक भारत में डेंगू के मामले रिपोर्ट किए जाते हैं, कुछ स्थितियों में ये खतरनाक-रक्तस्रावी और जानलेवा भी हो सकता है। हर साल मानसून के दिनों में कई प्रकार की मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू उनमें से एक है जिसके कारण दुनियाभर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भारतीय आबादी के लिए भी डेंगू एक बड़ा खतरा रहा है। जून से लेकर सितंबर-अक्तूबर तक भारत में डेंगू के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते हैं, कुछ स्थितियों में ये खतरनाक-रक्तस्रावी और जानलेवा भी हो सकता है। डेंगू बुखार एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर दिन के समय ज्यादा काटते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू किसी को भी हो सकता है, अगर समय रहते इसके लक्षणों की पहचान न हो पाए और इसका इलाज न मिले तो ये आंतरिक रक्तस्राव का खतरा बढ़ाने वाला हो सकता है, जिसमें जान भी जा सकती है। वेक्टर जनित इस रोग के बारे में लोगों के बारे में लोगों को जागरूक करने और डेंगू से बचाव को लेकर अलर्ट करने के

उद्देश्य से 16 मई को नेशनल डेंगू डे मनाया जाता है।

मच्छरजनित रोगों का खतरा-डेंगू

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू-चिकनगुनिया हो या मलेरिया, इन सभी से बचाव को लेकर लगातार अलर्ट रहने की आवश्यकता है। इसके लिए मच्छरों के काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनना, मच्छर भगाने वाली दवाओं का इस्तेमाल करना और यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है कि घरों और समुदायों के आस-पास पानी जमा न हो। डेंगू के मामले वैसे तो मानसून के दिनों में अधिक देखे जाते रहे हैं, पर बचाव को लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए कुछ जरूरी टिप्स साझा किए हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना और इसका पालन करते रहना जरूरी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिए जरूरी सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ जरूरी सलाह दिए हैं, जिनकी मदद से आप डेंगू के लक्षणों को पहचानकर समय रहते इलाज के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा कुछ सावधानियों को ध्यान में रखकर आप और आपका परिवार डेंगू से सुरक्षित रह सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि डेंगू के खतरे और इसके कारण होने वाली जटिलताओं से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है कि आप इसके लक्षणों की पहचान करें।

अगर आपको कुछ दिनों से तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, आंख घुमाने पर दर्द हो रहा है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए।

डेंगू के कारण आपको पीठ और जोड़ों में दर्द के साथ कुछ स्थितियों में मसूड़ों और नाक से खून आने की भी दिक्कत हो सकती है।

नए स्कूल के लिए बच्चे को ऐसे करें तैयार, बिना रोए खुद जाने के लिए होगा तैयार

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा बिना आंसू और डर के खुशी-खुशी स्कूल जाए तो कुछ आसान और असरदार टिप्स को आजमाकर आप उसे सहज और आत्मनिर्भर बना सकते हैं। यहां पहली बार स्कूल जा रहे बच्चे को खुशी खुशी स्कूल भेजने के टिप्स दिए जा रहे हैं जो उनके माता पिता को अपनाने चाहिए। बच्चे का पहली बार स्कूल जाना हर माता-पिता के लिए एक बड़ा और भावुक क्षण होता है। लेकिन अधिकतर छोटे बच्चे पहली बार स्कूल जाते वक्त सहमे हुए होते हैं। छोटे बच्चों के मन में नए माहौल, अनजान लोगों और मम्मी-पापा से अलग होने का डर रहता है। यही वजह है कि कई बच्चे स्कूल के पहले दिन रोने लगते हैं या जाने से घबराते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा बिना आंसू और डर के खुशी-खुशी स्कूल जाए तो कुछ आसान और असरदार टिप्स को आजमाकर आप उसे सहज और आत्मनिर्भर बना सकते हैं। यहां पहली बार स्कूल जा रहे बच्चे को खुशी खुशी स्कूल भेजने के टिप्स दिए जा रहे हैं जो उनके माता पिता को अपनाने चाहिए।

स्कूल के लिए उत्साह बढ़ाएं

बच्चे को स्कूल से जुड़ी प्यारी कहानियां और कविताएं सुनाएं। उसे बताएं कि वहां नए दोस्त मिलेंगे। ढेर सारे खिलौने होंगे और बहुत सारी मस्ती करने का मौका मिलेगा। स्कूल के मजेदार किस्से और कहानियां बच्चे का उत्साह बढ़ाएंगी। स्कूल को रोमांचक जगह की तरह पेश करें, ताकि वह खुशी खुशी स्कूल जाने के लिए तैयार हो जाए।

स्कूल विजिट कराएं

स्कूल शुरू होने से पहले बच्चे को उसके स्कूल लेकर जाएं। क्लास रूम, प्लेग्राउंड और टायलेट आदि दिखाएं। बच्चे को टीचर से मिलवाएं ताकि वह पहचान बना सके। इससे बच्चे को नए माहौल से डर कम लगेगा और जब वह पहली बार स्कूल जाएगा तो उसे यह जगह जानी पहचानी लगेगी।

दिनचर्या में बदलाव लाएं

कई बच्चे स्कूल के शुरूआती दिनों में रोते हुए जाते हैं। इसका एक कारण है कि वह स्कूल की दिनचर्या के मुताबिक खुद को तैयार नहीं कर पाते। वह सुबह उठने और तैयार होने में वक्त लेते हैं और उनका स्कूल जाने का मन भी नहीं करता। इसलिए स्कूल जाने से कुछ दिन पहले से ही धीरे-धीरे बच्चे को स्कूल के समय के हिसाब से उठने, नहाने और खाने की आदत डालें। इससे स्कूल वाले दिन अचानक बदलाव नहीं लगेगा।

बच्चे के डर को समझें

अगर बच्चा कहे कि उसे डर लग रहा है, तो उसकी भावना को हल्के में न लें। प्यार से समझाएं और भरोसा दें कि आप उसके साथ हैं। बच्चा रोए तो घबराएं नहीं। यह सामान्य है और धीरे-धीरे ठीक हो जाएगा। खुद आत्मविश्वास में रहें, बच्चे को भी आपका आत्मविश्वास महसूस होगा।

दिल्ली मेट्रो में की अगर ये गलती, तो जुमार्ना लगना तय है

हमें जब भी एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करनी होती है तो हम हमेशा ऐसे वाहन को चुनते हैं जिससे हम जल्दी पहुंच सके। साथ ही ऐसे रास्ते से जाते हैं जो हमें हमारी गंतव्य तक जल्दी से भी जल्दी पहुंचा दे। जैसे, दिल्ली मेट्रो क्योंकि बिना जाम के अगर कहीं जाना है तो मेट्रो से बढ़िया विकल्प तो शायद ही कुछ मिले। एसी में बैठे-बैठे आप आसानी से एक जगह से दूसरी जगह पहुंच जाते हैं, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि पुरुष यात्री की एक छोटी सी गलती उन पर जुमार्ना भी लगवा सकती है? शायद नहीं, पर आपको ये जानना चाहिए क्योंकि दिल्ली मेट्रो के हर चीज को लेकर नियम हैं और अगर आप इनका उल्लंघन करते हैं तो आपके ऊपर कार्रवाई हो सकती है। तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं...

क्यों लग सकता है जुमार्ना?

दरअसल, अगर आप पुरुष हैं और दिल्ली मेट्रो से यात्रा करना चाहते हैं तो जान लें कि आपको गलती से भी लेडीज कोच में नहीं जाना है। अगर आप उस कोच में यात्रा करते हुए पाए जाते हैं तो आपके ऊपर कार्रवाई होते हुए आप पर जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। इसलिए ये सुनिश्चित करें कि लेडीज कोच में यात्रा न करें।

कहां होता है लेडीज कोच?

अगर आप पहली बार दिल्ली मेट्रो में यात्रा कर रहे हैं और आपको नहीं पता कि लेडीज कोच कहां होता है, तो जान लें कि गाड़ी की गति की दिशा में पहला डिब्बा महिलाओं के लिए आरक्षित होता है। कोई भी पुरुष इस डिब्बे में यात्रा नहीं कर सकता।

क्यों बनाया महिलाओं के लिए अलग डिब्बा?

अगर आपके मन में ये आ रहा है कि आखिर महिलाओं के लिए अलग से कोच क्यों आरक्षित किया गया? तो आपको जानना चाहिए कि महिलाओं से छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार को रोकने के लिए महिलाओं को पहला डिब्बा आरक्षित किया गाय ताकि, महिलाएं बिना डरे अपना सफर पूरा कर सके और अपने गंतव्य तक पहुंचे सके।

जुमार्ना कितना लगता है?

कई मेट्रो स्टेशन ऐसे हैं जहां पर फ्लाइंग स्क्वायड (इस दस्ते में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ, दिल्ली मेट्रो रेल पुलिस यानी डीएमआरपी और डीएमआरसी के कर्मी शामिल होते हैं) तैनात रहता है।

भीषण गर्मी में घर वालों को बनाकर पिलाएं ठंडा-ठंडा आम पन्ना, ये हैं बनाने के अलग-अलग तरीके

गर्मी के मौसम में यदि आप अपनी सेहत का सही से ध्यान नहीं रखेंगे तो इससे कई बीमारियां आपको जकड़ने लगेंगी। यही वजह है कि इस मौसम में लोग अपने पहनावे से लेकर खान-पान तक में बदलाव कर लेते हैं। सभी डॉक्टर्स का कहना होता है कि लोगों को इस मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रहे। इसी के चलते हम आपको यहां आम पन्ना बनाने की तीन आसान विधियां बताने जा रहे हैं। ये आपको न सिर्फ लू से

बचाता है बल्कि शरीर को डिटॉक्स करता है, पाचन सुधारता है और तुरंत ताजगी देता है। वैसे तो आम पन्ना बनाना काफी आसान है, लेकिन यदि आप इसे हमारी बताई विधि से आम पन्ना बनाएंगे तो ये और भी स्वादिष्ट बनेगा। तो चलिए बिना देर किए आपको आम पन्ना बनाने की तीन आसान विधियां बताते हैं। खट्टा-मीठा आम पन्ना बनाने का सामान इसे बनाने के लिए आपको 2 कच्चे आम, ०कप चीनी, 1 चम्मच भुना जीरा, काला नमक स्वादानुसार की जरूरत पड़ेगी।

विधि

क्लासिक आम पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले आम को उबालकर ठंडा होने दें और फिर इसी छील लें। अब इसका गूदा निकालकर इसे मिक्सी में चीनी, नमक और मसालों के साथ ब्लेंड करें। आखिर में इसमें पानी डालकर थोड़ा पतला करें और ठंडा करने के बाद सर्व करें।

मसालेदार आम पन्ना बनाने का सामान

इसे बनाने के लिए 2 कच्चे आम, ०छोटा चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच भुना जीरा, काला नमक, पुदीना की पत्तियां और गुड़ या चीनी की जरूरत पड़ेगी।

विधि

मसालेदार आम पन्ना बनाने के लिए आम को उबालकर गूदा निकालें। अब इसमें पुदीना, मसाले और मीठा मिलाकर पीसें। इसके बाद इन सभी चीजों को पानी में मिक्स करें और ठंडा-ठंडा परोसें।

यूपी में फेस्टिवल इकोनॉमी बनी आर्थिक इंजन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते नौ वर्षों में पर्व-त्योहारों के आयोजन का स्वरूप बदला है। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारी और राजनीतिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता के चलते प्रमुख पर्वों-त्योंहारों पर सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा कहीं ज्यादा व्यापक हो गया है। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। योगी सरकार के प्रयासों से 9 वर्षों में बदले परिदृश्य ने प्रदेश में फेस्टिवल इकॉनमी को जन्म दिया है, जिसके माध्यम से न सिर्फ राज्य स्तर पर, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी बाजार में कारोबार कई गुना तक बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश में फेस्टिवल इकॉनमी को गति देने में योगी सरकार में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था निर्णायक कारक बनी है। प्रमुख पर्व-त्योहारों पर राज्य से लेकर जिला स्तर तक विशेष सुरक्षा प्लान लागू किए जाते हैं। संवेदनशील जिलों और धार्मिक नगरों में अतिरिक्त पुलिस व पीएसी बल की तैनाती, महिला सुरक्षा दल और दंगा नियंत्रण इकाइयों की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित की जाती है। ड्रोन से रियल टाइम निगरानी, प्रमुख बाजारों व आयोजन स्थलों पर व्यापक सीसीटीवी कवरेज और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के जरिए 24घण्टे मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

सैमसन आक्रामक होकर नहीं खेले, उन्होंने सामान्य शॉट लगाए, कोच गौतम गंभीर ने क्यों कहा ऐसा?

कोलकाता। न्यूजीलैंड सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन को दबाव से उबारने के लिए ब्रेक दिया गया। कोच गौतम गंभीर ने खुलासा किया कि यह रणनीतिक फैसला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी ने उनकी प्रतिभा साबित कर दी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन को ब्रेक देना टीम मैनेजमेंट की सोची-समझी रणनीति थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच पारियों में संजू के स्कोर 10, 6, 0, 24 और 6 रहे। आलोचना तेज हुई और उनके करियर पर सवाल उठने लगे। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'निश्चित रूप से न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसलिए उन्हें विश्राम देना जरूरी हो गया था

क्योंकि आप उन्हें उस दबाव वाली स्थिति से बाहर निकालना चाहते थे।' टी20 विश्व कप के करो या मरो मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ संजू ने नाबाद 97 रन की पारी खेलकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। उनका स्ट्राइक रेट 194 के करीब रहा, लेकिन बल्लेबाजी में कहीं भी हड़बड़ी नजर नहीं आई। उनकी पारी की बदौलत भारत ने आसानी से 196 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच के बाद गंभीर ने कहा, 'संजू आक्रामक अंदाज में नहीं खेले। उन्होंने सामान्य शॉट लगाए। मैंने उन्हें गेंद को जोर से मारते हुए भी नहीं देखा। यही उनकी प्रतिभा है।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'हम जानते थे कि संजू कितना प्रतिभाशाली है। बहुत कम बल्लेबाजों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतक लगाए हैं। इसलिए हमें भरोसा था कि जब भी जरूरत पड़ेगी, वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' जिम्बाब्वे मैच बना टर्निंग पॉइंट गंभीर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच जिताऊ पारी की नींव जिम्बाब्वे के खिलाफ रखी गई थी, जहां संजू ने 15 गेंदों में 24 रन बनाए थे। कोच ने कहा, 'जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने शानदार शुरूआत दी। आज भी उन्होंने वहीं से अपनी पारी आगे बढ़ाई। हम संजू से यही उम्मीद करते हैं कि वह लगातार ऐसा प्रदर्शन करें।' रिंकू सिंह के पारिवारिक कारणों से अनुपलब्ध रहने और शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की अधिकता को देखते हुए टीम प्रबंधन ने संजू को ओपनर के रूप में आजमाया, और यह फैसला सफल साबित हुआ। मानसिक मजबूती पर जोर जब गंभीर से पूछा गया कि उन्होंने संजू से मानसिक रूप से क्या बात की, तो उन्होंने कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों से बात करता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी विश्वस्तरीय हैं और इसीलिए वे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।' गंभीर ने साफ किया कि टीम मैनेजमेंट को संजू की क्षमता पर कभी संदेह नहीं था। उन्होंने कहा, 'हमें पता था कि जब भी हमें विश्व कप में उनकी जरूरत पड़ेगी, वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' असली परीक्षा अभी बाकी संजू की यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की वापसी थी। आलोचनाओं के बीच ब्रेक ने उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा किया और बड़े मंच पर उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की। अब पांच मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में टीम इंडिया को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

जून में टीम इंडिया में वापसी करेंगे रोहित-कोहली? अफगानिस्तान के भारत दौरे का पूरा शेड्यूल देखें

मुंबई। इसके लिए टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन एक ही प्रारूप में ये दोनों खेलते हैं। ऐसे में 2027 वनडे विश्वकप को ध्यान में रखते हुए और मैच फिटनेस के लिए चयनकर्ता इन दोनों का चयन कर सकते हैं। भारत के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी की तारीख तय हो गई है। आईपीएल 2026 के ठीक बाद अफगानिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी। अफगानिस्तान के भारत दौरे की शुरूआत छह जून से न्यू चंडीगढ़ में एक मैच की टेस्ट सीरीज से होगी। इसके बाद 14 जून, 17 जून और 20 जून को तीन वनडे मुकाबले खेला जाएंगे। यानी रोहित और कोहली 14 जून से भारतीय जर्सी में एक्शन में दिख सकते हैं। हालांकि, इसके लिए टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन एक ही प्रारूप में ये दोनों खेलते हैं। ऐसे में 2027 वनडे विश्वकप को ध्यान में रखते हुए और मैच फिटनेस के लिए चयनकर्ता इन दोनों का चयन कर सकते हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहली बार वनडे प्रारूप में कोई द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी। रोहित-कोहली पिछली बार कब एक्शन में दिखे? पहला वनडे धर्मशाला में, दूसरा वनडे लखनऊ में और तीसरा वनडे चेन्नई में खेला जाएगा। सभी वनडे मुकाबले डे-नाइट होंगे। रोहित और कोहली पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलते दिखे थे। ये सीरीज न्यूजीलैंड ने 2-1 से अपने नाम की थी। इसका तीसरा वनडे 18 जनवरी को खेला गया था। सीरीज में कोहली शानदार फॉर्म में दिखे थे, लेकिन रोहित रन के लिए जूझते दिखे थे। कोहली ने इस सीरीज में तीन पारियों में 80 की औसत से 240 रन बनाए थे। वहीं, रोहित तीन पारियों में 61 रन बना सके थे। फिलहाल टी20 विश्वकप खेल रही टीम इंडिया टीम इंडिया फिलहाल टी20 विश्वकप 2026 में व्यस्त है। भारतीय टीम रविवार को सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

क्या ऐसे मनोरंजन की जरूरत है?' टी20 विश्वकप में लेजर शो पर बवाल!

कोलकाता। आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान हुए लेजर शो पर सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने नाराजगी जताई। उनका मानना है कि ऐसे मनोरंजन से खिलाड़ियों की एकाग्रता और आंखों पर असर पड़ता है। हालांकि भारत ने यह मुकाबला जीत लिया, लेकिन इस मुद्दे ने टूर्नामेंट में नई बहस छेड़ दी है। भारत के दो दिग्गज क्रिकेटरों ने टी20 विश्वकप 2026 के दौरान भारत और वेस्टइंडीज के सुपर-8 मुकाबले में हुए लेजर शो पर कड़ी आपत्ति जताई है। सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री, भारत के दोनों पूर्व कप्तानों ने ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान स्टेडियम में हुए इस शो के समय और उसके प्रभाव पर सवाल खड़े किए। मैच के दौरान जब ढाई से तीन मिनट का ड्रिंक्स ब्रेक हुआ, तब स्टेडियम की लाइट्स को हल्का कर लेजर शो चलाया गया। यह दृश्य दर्शकों के लिए भले ही रोमांचक रहा हो, लेकिन क्रिकेट के दिग्गजों को यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। खिलाड़ियों को फोकस करने में परेशानी कॉमेंट्री के दौरान गावस्कर ने साफ तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान ढाई या तीन मिनट का लेजर शो यह बल्लेबाजों या किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं है। आंखों को रोशनी के अनुरूप ढालना पड़ता है। पहले अंधेरा हो जाता है और फिर अचानक तेज रोशनी आ जाती है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह विश्व कप है। ढाई मिनट के लिए क्या हमें ऐसे मनोरंजन की जरूरत है? आईपीएल के बीच में हो तो ठीक है, लेकिन नॉकआउट मुकाबलों में नहीं। और यहां तो विश्व कप का अहम मैच चल रहा है, ऐसे में ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान लेजर शो की क्या जरूरत है?' उनका इशारा साफ था कि इतने बड़े टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की तैयारी और फोकस सबसे अहम होना चाहिए, न कि मनोरंजन। 'फिर से फोकस में आना आसान नहीं' शास्त्री ने भी गावस्कर की बातों का समर्थन किया।

अभिषेक का बल्ला नहीं चलने पर क्या बोले कुंबले? सेमीफाइनल के लिए प्लेइंग-11 को लेकर कही यह बात

मुंबई। भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जिसमें संजू सैमसन की 97 रनों की अहम पारी निर्णायक रही। हालांकि टीम की चिंता अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म है। कुंबले ने कहा, 'अभिषेक का दिमाग थोड़ा उलझा हुआ लग रहा है और उनमें आत्मविश्वास की कमी दिख रही है', लेकिन उन्होंने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर करने के खिलाफ राय दी। नंबर-1 टी20 बल्लेबाज होने के बावजूद अभिषेक इस टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। संजू सैमसन की विस्फोटक 97 रन की पारी की बदौलत भारतीय टीम ने रविवार को वेस्टइंडीज को कोलकाता में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम इंडिया की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की फॉर्म है, जो पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक अर्धशतक लगा सके हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बात करते हुए कहा, 'अभिषेक का दिमाग इस समय थोड़ा उलझा हुआ लग रहा है और उनमें आत्मविश्वास की साफ कमी है। आप चाहते हैं कि दूसरे दबाव कम करें। इंडिया ने अच्छा किया है। जब इंडिया जीत गया है, तो वह कहेगा कि मुझे योगदान देना होगा।' हालांकि, कुंबले ने यह भी कहा कि अभिषेक को सेमीफाइनल के लिए टीम से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। अभिषेक शर्मा मौजूदा समय में टी20 फॉर्मेट के नंबर 1 बल्लेबाज हैं, लेकिन यह विश्व कप उनके लिए बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाया था, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए अहम मैच में वे फिर फ्लॉप रहे और मात्र 10 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है और जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनानी है, तो अभिषेक को सेमीफाइनल में अच्छी और बड़ी पारी खेलनी होगी। विश्व कप से पहले बीमार हुए अभिषेक अपने पुराने फॉर्म को ढूंढ रहे हैं। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने 44 मैचों की 43 पारियों में 2 शतक और 9 अर्धशतक की मदद से 1,377 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 189.40 रहा है। अभिषेक का सर्वाधिक स्कोर 135 है, जो इस फॉर्मेट में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का सर्वाधिक है।

क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर लगा 50-50 लाख का जुमार्ना?

कराची। टी20 विश्वकप 2026 में सेमीफाइनल में न पहुंच पाने पर ढउइ ने खिलाड़ियों पर 50 लाख ढडफका जुमार्ना लगाया। भारत और इंग्लैंड से हार के बाद दिग्गजों ने टीम की रणनीति और चयन पर सवाल उठाए। कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों पर आलोचना तेज है, अब बड़े बदलाव की मांग उठ रही है। टी20 विश्वकप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) ने बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम

रहने पर टीम के प्रत्येक खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 16 लाख भारतीय रुपये) का जुमार्ना लगाया गया है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, यह फैसला भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज हार और सुपर-8 में इंग्लैंड से मिली शिकस्त के बाद लिया गया। हालांकि, टीम ने श्रीलंका के खिलाफ करीबी जीत दर्ज की, लेकिन वह सेमीफाइनल की राह नहीं खोल सकी। बताया जा रहा है कि बोर्ड के अधिकारी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज थे और लगातार आईसीसी टूर्नामेंट्स में असफलता को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया। दिग्गजों की तीखी प्रतिक्रिया पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 'आपको दो साल में एक मौका मिलता है कि अपने देश के क्रिकेट की छाप छोड़ सकें और आप फिर असफल हो जाते हैं। यह देखना बेहद निराशाजनक है।' उन्होंने आगे कहा कि टी20 अब बेहद योजनाबद्ध प्रारूप बन चुका है और पाकिस्तान के खिलाड़ी बाकी टीमों के स्तर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भी चयन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन वे बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन नहीं कर पाए। अब आगे बढ़ने और गलतियों से सीखने का समय है।' वहीं मोईन खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जब तक आप ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराने की क्षमता नहीं रखते, तब तक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकते। चयन और मैदान दोनों जगह हमने बहुत गलतियां कीं।' कप्तानी और सीनियर खिलाड़ियों पर सवाल पूर्व कप्तान बाबर आजम, मौजूदा कप्तान सलमान अली आगा, और सीनियर खिलाड़ी जैसे शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज कड़ी आलोचना झेल रहे हैं। खबर है कि अगा कप्तानी छोड़ सकते हैं। पूर्व कोच सकलैन मुश्ताक भी विवादों में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने दामाद शादाब खान के प्रदर्शन का बचाव करते हुए मुख्य कोच माइक हेसन पर ठीकरा फोड़ा। क्या जुमार्ना समाधान है? पाकिस्तान ने टूर्नामेंट का अंत जीत के साथ किया, लेकिन पूरे अभियान ने देश के क्रिकेट माहौल को मायूस कर दिया।

जिम्बाब्वे की स्वदेश वापसी में क्यों आ रही अड़चन? दुबई हवाई अड्डा बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

ईरान और इस्त्राइल के बीच जारी संघर्ष के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे जिम्बाब्वे टीम भी

अछूती नहीं है। जिम्बाब्वे का सफर टी20 विश्व कप में खत्म हो गया है, लेकिन दुबई एयरपोर्ट बंद होने के कारण उसे स्वदेश लौटने में परेशानी आ रही है। टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन कर चुकी जिम्बाब्वे की टीम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद स्वदेश वापसी की योजना पर स्पष्टता का इंतजार कर रही है। जिम्बाब्वे को रविवार को सुपर आठ चरण के उसके आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका से शिकस्त मिली। इस मैच से पहले ही टीम का सुपर आठ चरण से आगे नहीं बढ़ना तय था और खिलाड़ियों की यात्रा योजना तैयार थी। सोमवार को होना था रवाना सिकंदर रजा की अगुआई वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के अंतिम मुकाबले में हार के बाद मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि फिलहाल उन योजनाओं को स्थगित कर दिया गया है। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर खिलाड़ी ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अनिश्चित हो गई है। टीम के खिलाड़ियों को दुबई से कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। सैमन्स बोले- टीम के लिए स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है लेकिन फिर भी सबका ध्यान खेल पर ही था। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें अगली सुबह (सोमवार) को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। लेकिन मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर था। जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई अपडेट नहीं था। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई सूचना नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अदीस अबाबा स्थित इथियोपियन एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटना एक विकल्प हो सकता है। आईसीसी ने शनिवार को कहा था कि वह भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था पर काम कर रही है। यह कदम अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका अब भी टूर्नामेंट में बना हुआ है और उसे चार मार्च को कोलकाता में सेमीफाइनल खेलना है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। कॉनराड ने कहा, यह हर बातचीत में सामने आता है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम हालांकि खेल पर ध्यान देने में कामयाब रहे है। इन चीजों को सुलझाने के लिए हूमें अपने प्रबंधन और आईसीसी पर भरोसा है। अभी हमारा पूरा ध्यान कोलकाता में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

जीत के भावुक लम्हे! सूर्यकुमार का सलाम, सैमसन की आंखें नम, गौतम की जादू की झप्पी ने जीता दिल

कोलकाता। भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जीत के बाद सूर्यकुमार का सैमसन को सलाम और गौतम गंभीर की झप्पी ने भावुक माहौल बना दिया। अब भारत 5 मार्च को वानखेड़े में इंग्लैंड से भिड़ेगा। टी20 विश्वकप 2026 में भारत की यह जीत सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि जज्बातों की कहानी बन गई। वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत के बाद मैदान पर जो दृश्य दिखे, उन्होंने करोड़ों दिलों को छू लिया। कहीं सम्मान में झुका सिर था, तो कहीं कोच की जादू की झप्पी। इस ऐतिहासिक पल के साथ टीम इंडिया ने सेमीफाइनल का टिकट कटाया और एक बार फिर साबित किया कि जीत सिर्फ स्कोरबोर्ड पर नहीं, रिश्तों और विश्वास में भी दर्ज होती है। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बाद भारत चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम बना। अब पांच मार्च को मुंबई के वानखेड़े में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जबकि चार मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। आइए जीत के पल को तस्वीरों में देखते हैं... जीत के बाद का यह दृश्य भावुक कर देने वाला था। संजू सैमसन को गले लगाते गौतम गंभीर ने सभी फैंस का दिल जीता। यह जादू की झप्पी सिर्फ एक बधाई नहीं, बल्कि भरोसे और मेहनत की मुहर थी। पास खड़े साथी खिलाड़ियों के चेहरों की मुस्कान बता रही थी कि यह जीत टीम की एकजुटता का परिणाम है। दूसरी तस्वीर में सूर्यकुमार यादव ने टोपी उतारकर और झुककर संजू सैमसन को सलाम किया। यह सम्मान उस साहसिक पारी के लिए था जिसने भारत को मुश्किल घड़ी से निकाला। सैमसन की नम आंखें इस पल को यादगार बना गईं। जैसे ही जीत पक्की हुई, सैमसन का सेलिब्रेशन देखने लायक था। वह मैदान पर घुटनों के बल बैठ

गए, हेल्मेट उतारा और आसमान की ओर देखा और ऊपर वाले का आभार जताया। मानो यह जीत सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, संघर्ष और विश्वास का परिणाम हो। मैच के बाद सैमसन ने अपने इस जश्न को बहुत निजी बताया और कहा कि यह पल उनके लिए किसी शतक से भी बड़ा था। उन्होंने पार्थिव पटेल से बातचीत में कहा कि यह उनके लिए बहुत खास पल है। वह भगवान में बहुत भरोसा रखते हैं और इसे बहुत निजी रखना चाहते है। यह उनके लिए बहुत खास पल है। भारत ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टीम ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने संजू सैमसन की 97 रनों की विस्फोटक पारी की मदद से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद संजू राजस्थान रॉयल्स के साथी शिमरोन हेटमायर के कंधे पर हाथ रखकर चलते दिखे। संजू अब आरआर के लिए नहीं, बल्कि चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते दिखेंगे। हेटमायर अभी भी आरआर में हैं।

ईरान-इस्त्राइल के बीच जारी संघर्ष का असर! जिम्बाब्वे टीम को स्वदेश लौटने में क्यों हो रही दिक्कत?

नई दिल्ली। ईरान-इस्त्राइल संघर्ष के कारण दुबई एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है, जिससे टी20 विश्वकप 2026 के बाद जिम्बाब्वे टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। टीम दिल्ली में रुकी है और वैकल्पिक उड़ान का इंतजार कर रही है। आईसीसी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी के लिए दूसरी व्यवस्था करने में जुटा है। ईरान और इस्त्राइल के बीच चल रहे संघर्ष का असर टी20 विश्व कप 2026 की व्यवस्थाओं पर पड़ा है। विश्व कप में अपना सफर समाप्त करने के बाद भी जिम्बाब्वे की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। दरअसल, ईरान ने इस्त्राइल की तरफ से हुए हमलों पर पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के कई देशों पर हमले किए हैं। यूएई का नाम भी इसमें शामिल है। दुबई एयरपोर्ट के आस-पास भी धमाके हुए हैं। इस वजह से दुबई एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की टीम को सोमवार को नई दिल्ली से निकलते हुए दुबई से अपने देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों की स्वदेश यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। कोच का बयान टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार की सुबह घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच शुरू होने तक कोई अपडेट नहीं था।' दिल्ली में रुके हैं जिम्बाब्वे के खिलाड़ी फिलहाल जिम्बाब्वे के खिलाड़ी दिल्ली में रुके हुए हैं और अगली सूचना का इंतजार कर रहे हैं। टीम अब तय नहीं बल्कि अगले शेड्यूल और कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश लौटेगी। दुबई एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के लिए अदीस अबाबा स्थित इथियोपियन एयरलाइंस के जरिए उन्हें स्वदेश भेजने की व्यवस्था की जा सकती है। आईसीसी ने शनिवार को कहा था कि टी20 विश्व कप के बाद स्वदेश लौटने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। ग्रुप स्टेज में जिम्बाब्वे का शानदार प्रदर्शन सिकंदर रजा की कप्तानी वाली जिम्बाब्वे का ग्रुप स्टेज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। टीम ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी टीमों को हराकर सुपर-8 में पहुंची थी। सुपर-8 में जिम्बाब्वे कोई कमाल नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज, भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए तीनों मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

आर्यश्री संस्था ने मलिन बस्ती के बच्चो के साथ धूमधाम से मनाया वार्षिक खेल दिवस

लखनऊ (संवाददाता)। आर्यश्री शिक्षा समिति द्वारा ऐशबाग रेलवे स्टेडियम में मलिन बस्ती के बच्चो के साथ वार्षिक खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र के लगभग 170 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना गीत से हुई। इसके पश्चात बच्चों की रोचक दौड़ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। इसके अतिरिक्त बच्चों द्वारा योग नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। ओ हो हो हो, धड़क-धड़क तथा मिशन सिंदूर जैसे गीतों पर बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है और आप सभी बच्चे इस देश के भविष्य हैं, पढ़ाई के साथ खेलकूद भी आवश्यक है, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के संबंध में संस्था की सचिव तुलिका धवन कपूर ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भड़कीं इटैलियन डीजे ऑली एस्से, वीडियो शेयर कर लगाए गंभीर आरोप

इटली की मशहूर डीजे ऑली एस्से ने हाल ही में एयर इंडिया एक्सप्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानिए क्या है पूरी खबर

मशहूर डीजे ऑली एस्से भारत में भी कई कॉन्सर्ट और कार्यक्रमों में शामिल होती हैं। वे मूलतः इटली की हैं, लेकिन इंडिया में भी वे अपने काम को लेकर काफी एक्टिव रहती हैं और लगातार उनका यहां आना-जाना लगा रहता है। लेकिन उन्होंने हाल ही में एक वीडियो शेयर कर एयर इंडिया एक्सप्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

क्या है पूरा मामला?

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर एयरलाइन के ग्राउंड स्टाफ ने उनके साथ और अन्य यात्रियों के साथ बदतमीजी की।

ऑली एस्से के मुताबिक, स्टाफ का व्यवहार काफी खराब था और उन्होंने ठीक से यात्रियों को मैनेज नहीं किया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक महिला स्टाफ मेंबर ने एक यात्री को धक्का तक दे दिया। डीजे ने अपने पोस्ट में लिखा कि अगर स्टाफ से स्थिति संभाली नहीं जा रही थी, तो कम से कम सॉरी कहना तो बनता है। उन्होंने कहा कि वह टिकट का पैसा देती हैं और बदले में कम से कम सम्मानजनक व्यवहार की उम्मीद करती हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दिया जवाब

इस मामले पर एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी जवाब दिया। एयरलाइन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें हुई असुविधा के लिए खेद है। साथ ही उन्होंने ऑली से उनकी बुकिंग डिटेल्स डायरेक्ट मैसेज में शेयर करने को कहा, ताकि वे मामले की जांच कर सकें और बेहतर तरीके से मदद कर सकें।

बता दें कि ऑली एस्से इटली से हैं, लेकिन भारत में लंबे समय से परफॉर्म कर रही हैं। उन्हें हिंदी गानों और भारतीय म्यूजिक की अच्छी समझ है, और यहां उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग भी है।

अल्लू अर्जुन के भाई सिरिश की मंगेतर; जानें उनकी प्रेम कहानी से लेकर सबकुछ

अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरिश 6 मार्च को शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी से पहले, जानिए कौन हैं अल्लू सिरिश की होने वाली पत्नी नयनिका रेड्डी। क्या है नयनिका रेड्डी की प्रोफाइल और उनकी प्रेम कहानी के अलावा सबकुछ?

अल्लू सिरीश और उनकी मंगेतर नयनिका रेड्डी की शादी 6 मार्च 2026 को होने वाली है। अल्लू अर्जुन के छोटे भाई तेलुगु अभिनेता अल्लू सिरीश कि शादी से पहले की पार्टी आज 2 मार्च को होगी। यह पार्टी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के साथ होगी। जबकि 6 मार्च की शादी बहुत छोटे और निजी समारोह में होगी, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। जानिए

आखिर कौन हैं अल्लू सिरिश की होने वाली पत्नी नयनिका रेड्डी?

कौन हैं नयनिका रेड्डी?

नयनिका हैदराबाद की रहने वाली हैं। वे एक सफल बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका फिल्म इंडस्ट्री या पब्लिक लाइफ से कोई लेना-देना नहीं रहा है। वे बहुत सादगी पसंद, पढ़ाई में मेहनती और निजी स्वभाव की हैं। शादी से पहले उनका नाम सिर्फ अपने करीबी लोगों में ही जाना जाता था। वे अपने परिवार के बिजनेस में शामिल हैं और सोशल मीडिया पर भी बहुत कम एक्टिव रहती हैं।

कैसे हुई दोनों की मुलाकात?

सिरीश और नयनिका की पहली मुलाकात तेलुगु अभिनेता वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी की शादी से पहले एक पार्टी में हुई थी। उस पार्टी का आयोजन अभिनेता नितिन और उनकी पत्नी ने किया था। शुरू में दोनों की बातचीत दोस्ती में बदली और फिर प्यार में। अक्तूबर 2025 में सिरीश ने अपने दादा की जयंती पर पेरिस से एक रोमांटिक फोटो पोस्ट की थी, जिसमें दोनों हाथ पकड़े हुए थे। इसके बाद सगाई की खबर आई।

कब हुई सगाई

अल्लू सिरिश और नयनिका की सगाई 31 अक्तूबर 2025 को एक सादे समारोह में हुई थी। सिरीश ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करके यह खुशखबरी दी थी। उन्होंने लिखा था कि वे अपनी जीवनसाथी नयनिका से बहुत खुशी से सगाई कर रहे हैं।

परिवार में है उत्सव और खुशी की माहौल

अभी अल्लू फैमिली में शादी के उत्सव शुरू हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर सिरीश और नयनिका की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। कई सेलिब्रिटी जैसे रश्मिका मंदाना, विजय देवरकोंडा, राम चरण सहित कई सेलेब्स इन फंक्शन्स में शामिल हुए हैं। यह शादी अल्लू-कोनिडेला परिवार के लिए एक खास मौका है।

क्या अंटार्कटिका में होगी वाराणसी फिल्म की शूटिंग? प्रियंका चोपड़ा ने दिया बड़ा हिंट, फैंस भी रह गए हैरान

बॉलीवुड और तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक वाराणसी ने फिर से सुर्खियाँ बटोरी हैं। प्रियंका चोपड़ा के एक ट्वीट से फैंस में खलबली मच गई है।

फैंस फिल्म वाराणसी के बड़े स्तर पर फिल्माए जाने की बात पहले से जानते हैं, लेकिन हाल ही में प्रियंका ने जो कहा, उससे एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। अब लोग ये सोच रहे हैं कि क्या फिल्म की शूटिंग अंटार्कटिका में होगी।

प्रियंका के ट्वीट से मची खलबली

जब महेश बाबू ने प्रियंका की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द ब्लफ की तारीफ की और प्रियंका को ह्यटॉप फॉर्महृ बताया, तो प्रियंका ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए लिखा, ह्यजल्द ही अंटार्कटिका मेंमिलते हैं हृ प्रियंका की इस लाइन ने फैंस के मन में सवाल खड़े कर दिए कि क्या फिल्म की शूटिंग अंटार्कटिका में होगी।

फैंस में बढ़ी एक्साइटमेंट

हालांकि प्रियंका ने सीधे यह नहीं कहा कि वाराणसी भारत की पहली फिल्म है जो अंटार्कटिका में शूट होगी। उन्होंने बस मजाक में ह्यअंटार्कटिका में मिलते हैंहृ लिखा- लेकिन इस एक लाइन ने यही कयास पैदा कर दिए हैं कि इस फिल्म का स्केल दुनिया भर में कितना बड़ा होगा और यह भारतीय सिनेमा की नई मिसाल बन सकती है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

ह्यवाराणसीहृ फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने ह्यभारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एकहृ बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

ह्यद ब्लफहृ में नजर आई प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म ह्यद ब्लफहृ में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कौन हैं नयनिका रेड्डी अल्लू अर्जुन के भाई सिरिश की मंगेतर

अल्लू अर्जुन के भाई अल्लू सिरिश 6 मार्च को शादी करने जा रहे हैं। उनकी शादी से पहले, जानिए कौन हैं अल्लू सिरिश की होने वाली पत्नी नयनिका रेड्डी। क्या है नयनिका रेड्डी की प्रोफाइल और उनकी प्रेम कहानी के अलावा सबकुछ?

अल्लू सिरीश और उनकी मंगेतर नयनिका रेड्डी की शादी 6 मार्च 2026 को होने वाली है। अल्लू अर्जुन के छोटे भाई तेलुगु अभिनेता अल्लू सिरीश कि शादी से पहले की पार्टी आज 2 मार्च को होगी। यह पार्टी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के साथ होगी। जबकि 6 मार्च की शादी बहुत छोटे और निजी समारोह में होगी, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। जानिए आखिर कौन हैं अल्लू सिरिश की होने वाली पत्नी नयनिका रेड्डी?

कौन हैं नयनिका रेड्डी?

नयनिका हैदराबाद की रहने वाली हैं। वे एक सफल बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका फिल्म इंडस्ट्री या पब्लिक लाइफ से कोई लेना-देना नहीं रहा है। वे बहुत सादगी पसंद, पढ़ाई में मेहनती और निजी स्वभाव की हैं। शादी से पहले उनका नाम सिर्फ अपने करीबी लोगों में ही जाना जाता था। वे अपने परिवार के बिजनेस में शामिल हैं और सोशल मीडिया पर भी बहुत कम एक्टिव रहती हैं।

कैसे हुई दोनों की मुलाकात?

सिरीश और नयनिका की पहली मुलाकात तेलुगु अभिनेता वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी की शादी से पहले एक पार्टी में हुई थी। उस पार्टी का आयोजन अभिनेता नितिन और उनकी पत्नी ने किया था। शुरू में दोनों की बातचीत दोस्ती में बदली और फिर प्यार में। अक्तूबर 2025 में सिरीश ने अपने दादा की जयंती पर पेरिस से एक रोमांटिक फोटो पोस्ट की थी, जिसमें दोनों हाथ पकड़े हुए थे। इसके बाद सगाई की खबर आई।

कब हुई सगाई

अल्लू सिरिश और नयनिका की सगाई 31 अक्तूबर 2025 को एक सादे समारोह में हुई थी। सिरीश ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करके यह खुशखबरी दी थी। उन्होंने लिखा था कि वे अपनी जीवनसाथी नयनिका से बहुत खुशी से सगाई कर रहे हैं।

परिवार में है उत्सव और खुशी की माहौल

अभी अल्लू फैमिली में शादी के उत्सव शुरू हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर सिरीश और नयनिका की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। कई सेलिब्रिटी जैसे रश्मिका मंदाना, विजय देवरकोंडा, राम चरण सहित कई सेलेब्स इन फंक्शन्स में शामिल हुए हैं। यह शादी अल्लू-कोनिडेला परिवार के लिए एक खास मौका है।

अहान-अनीत प्यारे बच्चे हैं, अनुभव सिन्हा ने की सैयारा स्टार्स की तारीफ; धुरंधर को लेकर कही ये बात

अनुभव सिन्हा ने सैयारा स्टार अहान पांडे और अनीत पड्डा की तारीफ की है। साथ ही उन्होंने धुरंधर, बॉर्डर 2 और तेरे इश्क में जैसी फिल्मों को लेकर भी बात की। जानिए निर्देशक ने क्या कुछ कहा

अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म अस्सी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को पसंद किया जा रहा है और क्रिटिक्स से लेकर दर्शक तक इसकी कहानी की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच अनुभव सिन्हा ने दो रोमांटिक फिल्मों सैयारा और तेरे इश्क में को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों की भी जमकर तारीफ की।

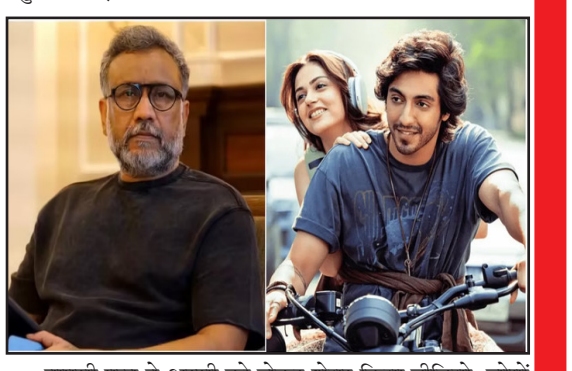

तापसी पन्नू ने अस्सी को लेकर शेयर किया वीडियो, लोगों से की ये खास अपील; बोलीं- आप असहज हो सकते हैं

अनुभव सिन्हा ने की अहान-अनीत की तारीफ

जूम के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने सैयारा की तारीफ करते हुए बताया कि किस बात ने उन्हें इस फिल्म के लिए आकर्षित किया। निर्देशक ने कहा कि ये दोनों बच्चे बहुत अच्छे हैं। अहान और अनीत, और उनकी फिल्म सैयारा बहुत पसंद आई। दोनों कलाकार बेहद ईमानदार और सच्चे थे और वे दोनों एक ही फिल्म में इतना विश्वास रखते थे।

अनुभव सिन्हा ने देखीं धुरंधर और तेरे इश्क में

इस दौरान अनुभव सिन्हा ने बताया कि उन्होंने रणवीर सिंह की धुरंधर, कृति सैनन की तेरे इश्क में और सनी देओल की बॉर्डर 2 सहित हाल ही में रिलीज हुई ये तीनों फिल्में देखी हैं।

उन्होंने कहा कि चूंकि मैं विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा था, इसलिए मैं विभिन्न सिनेमा हॉल में जाता था और 15-20 मिनट के लिए बैठकर फिल्म देखता था। इसलिए मैंने धुरंधर के लगभग 5-20 मिनट देखे हैं। तेरे इश्क में मैंने इसे भोपाल के एक थिएटर में देखी और बॉर्डर 2 मैंने हैदराबाद में देखी।

अस्सी को मिल रहीं प्रशंसाएं

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुभव सिन्हा की हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। यह फिल्म भारत में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मुद्दे पर आधारित एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा है। इसमें तापसी पन्नू प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं।

इसके अलावा फिल्म में कनी कुश्रुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिका में हैं। नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा फिल्म में थोड़ी देर के लिए हैं।

54 साल पहले ईरान से जुड़ा था बॉलीवुड का नाता, वहीदा से लेकर जॉन अब्राहम तक ने वहां की शूटिंग

अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच जंग जारी है। इसी बीच एसी कई बॉलीवुड फिल्में हैं जिनका ईरान से गहरा नाता है।

इस समय दुनिया के तीन देश आमने-सामने की जंग पर है। अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान तीनों देशों के बीच तनाव की स्थिती बनी हुई है। बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में भी रही हैं, जिनकी या तो शूटिंग ईरान की मिट्टी में हुई है या फिर उनका ईरान से खास नाता रहा है। जानें कौन सी हैं वो फिल्में -

सुबह-ओ-शाम

1972 में रिलीज हुई फिल्म सुबह-ओ-शाम भी ईरान और भारत को जोड़ती हुई फिल्म थी। यह हिंदी सिनेमा की सबसे पहली फिल्म थी जो ईरान में जा कर शूट हुई थी। फिल्म में वहीदा रहमान, मोहम्मद अली फरदीन, संजीव कुमार मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में आरुम के किरदार में नजर आए मोहम्मद अली फरदीन तब एक प्रसिद्ध इरानी कलाकार थे। फिल्म का निर्माण प्यारेलाल ने दिया था। फिल्म एक जोड़े की असफल शादी की इच्छा पर थी।

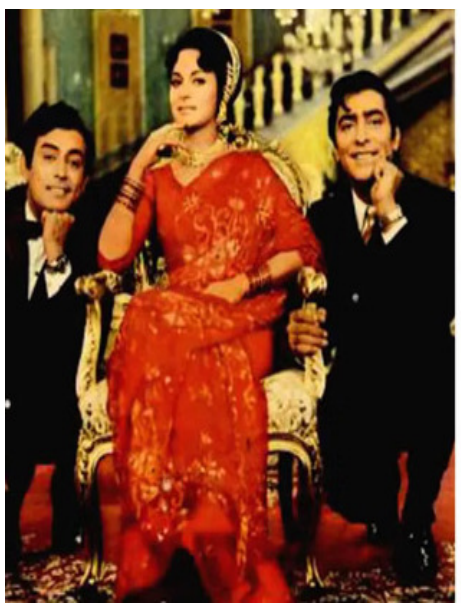

तेहरान

जॉन अब्राहम की 2025 में रिलीज हुई फिल्म तेहरान भी ईरान के इर्द-गिर्द घूमती कहानी पर आधारित थी। फिल्म में जॉन अब्राहम ,मनुषी छिल्लर, नीरू बाजवा मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म की पटकथा में जॉन एक स्पेशल सेल के अधिकारी के रोल में थे। इन सब की जांच के दौरान उन्हें इरान-इजराइल युद्ध के जुड़ी कुछ संदिग्ध जानकारी मिलती है जिसकी खोज के लिए वह ईरान जाते हैं। फिल्म के कई हिस्सों को ईरान में शूट किया गया है।

इंटरनेशनल क्रुक

इंटरनेशनल क्रुक 1974 में रिलीज हुई यह फिल्म भारतीय सिनेमा और इरानी सिनेमा का मेल थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र, सायरा बानू, फिरोज खान लीड एक्टर्स थे। इंटरनेशनल क्रुक भारतीय -ईरानी संयुक्त प्रोडक्शन वाला प्रोजेक्ट था। फिल्म के निर्देशक और निमार्ता पच्छी थे। फिल्म की संगीत अजीत कश्मीरी ने दिया था। फिल्म की कहानी राजेश, सीमा, शेखर के किरदारों के बीच बुनी हुई है।

सलाम मुबंई

2016 में रिलीत हुई सलाम मुबंई को घोरबन मोहम्मदपुर ने निर्देशित किया था। इस फिल्म में दिया मिर्जा , मोहम्मद रजा गोलजार मुख्य भूमिका में थे। सलाम मुबंई इरानी अभिनेता मोहम्मद रजा गोलजार के लिए उनका पहला बॉलीवुड अपियरेंस था। फिल्म के ज्यादातर सीन मुबंई में और कुछ ईरान में शूट हुए थे। फिल्म ने ईरान के बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर कई रिकॉड अपने नाम किए थे।

बियॉन्ड द क्लाउड्स

साल 2017 में रिलीज हुई 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' के निर्देशक माजिद मजीदी थे। इस फिल्म में ईशान खट्टर, मालविका मोहनन समेत कई स्टार्स थे। फिल्म मुबंई के स्लम इलाके में शूट हुई थी। फिल्म के निर्देशक माजिद मजीदी के ईरानी होने के कारण इस फिल्म का ईरान से जुड़ाव है। फिल्म स्लम में रहने वाले लोग उनके जीवन पर आधारित है।

होली से पहले बड़ी राहत, सरकारी कर्मचारियों की सैलरी आज क्रेडिट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए होली का सबसे बड़ा तोहफा आ गया है। फरवरी महीने की सैलरी और पेंशन आज (2 मार्च 2026) खातों में क्रेडिट हो चुकी है। मूल रूप से यह 28 फरवरी को आनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी (बैंक सर्वर डाउन) की वजह से देरी हुई। कर्मचारियों की शिकायतों के बाद आज सुबह राशि ट्रांसफर कर दी गई, जिससे त्योहार से पहले सबके चेहरे पर मुस्कान आ गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि होली से पहले (होली 4 मार्च को है) सभी कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, आउटसोर्सिंग स्टाफ और सफाई कर्मचारियों का वेतन जारी हो जाए। 28 फरवरी को शनिवार को कार्यदिवस घोषित कर दिया गया था ताकि भुगतान समय पर हो सके। लेकिन सर्वर इश्यू के चलते राशि नहीं पहुंची, जिससे कर्मचारी संघों में नाराजगी फैली। यूपी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष कमल अग्रवाल और पेंशनर्स एसोसिएशन के अमरनाथ यादव ने कई जिलों से शिकायतें आने की बात कही थी। अब सैलरी आ जाने से सब राहत की सांस ले रहे हैं, होली की शॉपिंग और मस्ती के लिए पैसा तैयार! यूपी बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं, और स्ट्रांग रूम, केंद्र व्यवस्थापक व अन्य ड्यूटी पर तैनात शिक्षक-प्रधानाध्यापक होली पर घर जाने को लेकर परेशान हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के सख्त आदेश के मुताबिक, परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी बिना मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक की लिखित अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकते।

खामेनेई की मौत से पाकिस्तान में बवाल, कराची-इस्लामाबाद तक हिंसक प्रदर्शन; अब तक 20 की मौत

इस्लामाबाद। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में भारी हिंसा हुई। अमेरिका और इस्राइल के हमले के विरोध में प्रदर्शनों के दौरान अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। कराची, इस्लामाबाद और स्कार्दू में हिंसा के चलते दर्जनों लोग घायल हुए हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर के बाद पूरे पाकिस्तान में गुस्सा फूट पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल ने तेहरान पर मिलकर हवाई हमला किया था। इस हमले में खामेनेई की मौत की पुष्टि हुई है। इसके विरोध में रविवार को पाकिस्तान के कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन हुए। इन झड़पों में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं। हिंसा का सबसे ज्यादा असर कराची में रहा, जहां 10 लोगों की जान गई। इसके अलावा स्कार्दू में आठ और राजधानी इस्लामाबाद में दो लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान

में शिया समुदाय सड़क पर उतरा पाकिस्तान में शिया समुदाय के लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे। सुरक्षा बलों ने भीड़ को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियां चलाईं। इस्लामाबाद के रेड जोन में हजारों लोग जमा हो गए। यहां संसद, सरकारी दफ्तर और विदेशी दूतावास हैं। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लगभग 8,000 लोग राजधानी के एक बड़े होटल के पास इकट्ठा हुए। उनके हाथों में खामेनेई की तस्वीरें थीं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि वे ईरान के साथ खड़ी हैं और इस मौत का बदला लेंगी। कराची की हालात सबसे खराब कराची में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे। यहां प्रदर्शनकारी अमेरिकी दूतावास के बाहर जमा हुए। कुछ नौजवान दूतावास की दीवार पर चढ़ गए और खिड़कियां तोड़ दीं। पुलिस की कार्रवाई में यहां 10 लोगों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने इस घटना को दुखद बताया और जांच के आदेश दिए। संयुक्त राष्ट्र दफ्तर पर हुआ हमला उत्तर में गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू शहर में भी भारी हिंसा हुई। यहां प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तर में आग लगा दी। इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने स्कार्दू में तीन दिन का कर्फ्यू लगा दिया है। लाहौर, पेशावर और मुल्तान जैसे शहरों में भी हजारों लोग सड़कों पर उतरे। लाहौर में पुलिस ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश कर रहे लोगों पर आंसू गैस छोड़ी। पाकिस्तान सरकार ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खामेनेई की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सुरक्षा का जायजा लिया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस दुख में ईरान के साथ है। विदेश मंत्री इसहाक डार ने भी ईरानी विदेश मंत्री से बात की और हमले की निंदा की। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर लंबी सीमा है। पाकिस्तान इस्राइल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता है। इस हिंसा ने 1979 की याद दिला दी है, जब इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला हुआ था और आग लगा दी गई थी। फिलहाल पूरे देश में सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान के बाद कुवैत का भी दावा- अमेरिका के कई लड़ाकू विमान क्रैश

दुबई। ईरानी मीडिया के बाद अब कुवैत ने भी दावा किया है कि कई अमेरिकी लड़ाकू विमान क्रैश हो गया है, जिसका वीडियो भी

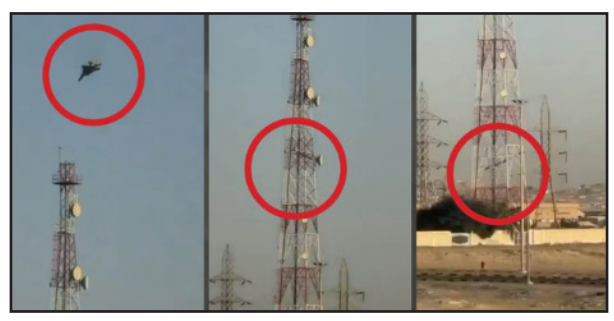

वायरल हो रहा है। देखें वीडियो... ईरान पर किए गए हमले के बाद से पूरा क्षेत्र युद्ध की आग में जल रहा है। ईरान ने इस हमले के बाद इस्राइल, इराक, यूएई समेत कई देशों में मिसाइलें दागी। वहीं इस्राइल और अमेरिकी की ओर से ईरान में अब भी बमबारी जारी है। जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई शीर्ष लीडर की मौत हो चुकी है। कुवैत में क्रैश हुआ अमेरिका का ऋ15 फाइटर जेट इस बीच ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि कुवैत में अमेरिकी सेना का एक ऋ15 लड़ाकू विमान क्रैश हो गया है। इस विमान के क्रैश होने का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें विमान में आसमान में ही आग लगते हुई देखी जा सकती है। ऋ15 फाइटर जेट दुनिया के सबसे घातक और आधुनिक लड़ाकू विमानों में एक माना जाता है। हालांकि विमान में आग लगते ही पायलट पैरासूट लेकर कूद गया जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि, अभी तक इस खबर की किसी ने पुष्टि नहीं की है। अमेरिका और कुवैत की सेना की ओर भी कोई बयान नहीं आया है। कुवैत की रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस घटना के बाद कई अमेरिकी लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। हालांकि कुल संख्या और घटनाओं के विवरण अभी स्पष्ट नहीं हैं। वीडियो फुटेज में विमान आग में लिपटा दिख रहा है और तेजी से नीचे गिरता हुआ दिखाई देता है। इस्राइल -ईरान तनाव के बीच दुर्घटना यह हादसा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान आया है, जिसमें अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए। ईरानी अधिकारियों ने इसे प्रतिशोध के रूप में संतुलित कार्रवाई बताया है और चेतावनी दी है कि आगे और वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

हिजबुल्ला के इस्राइल पर हमले गैर-जिम्मेदाराना, लेबनान के पीएम ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली। दक्षिणी लेबनान से हिजबुल्ला के रॉकेट हमलों के बाद प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इसे गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ती है और इजराइल को हमले का बहाना मिलता है। हमलों के जवाब में इस्राइल ने हवाई हमले किए, जबकि युद्धविराम के बाद यह पहली बड़ी झड़प मानी जा रही है। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम देश की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और इस्राइल को हमले जारी रखने का बहाना देते हैं। उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए कहा कि दक्षिणी लेबनान से रॉकेट लॉन्च करना गैर-जिम्मेदाराना और संदिग्ध कार्रवाई है, जो नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालती है और देश को नए संघर्ष की ओर धकेल सकती है। देश को किसी नई सैन्य टकराव में घसीटने नहीं देंगे प्रधानमंत्री सलाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार देश को किसी नई सैन्य टकराव में नहीं घसीटने देगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। हिजबुल्ला ने क्या किया? यह बयान ऐसे समय आया है जब उग्रवादी संगठन हिजबुल्ला ने ईरान

के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में लेबनान से इस्राइल की ओर कई रॉकेट दागे। नवंबर 2024 में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद यह पहली बार है जब हिजबुल्ला ने इस्राइल पर इस तरह का हमला किया है। इस्राइल की कार्रवाई रॉकेट हमलों के बाद इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्ला नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। इस्राइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि उसने लेबनान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और हमलों के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, एक रॉकेट को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया, जबकि बाकी खुले इलाकों में गिरे। उत्तरी इस्राइल में हमलों के दौरान एयर रेड सायरन बजाए गए। इस्राइल की आपातकालीन सेवा मागेन डेविड अदोम ने बताया कि हमलों में तत्काल किसी की मौत की सूचना नहीं है, हालांकि शेल्टर की ओर भागते समय कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। लेबनान और इस्राइल के बीच तनाव नवंबर 2024 के युद्धविराम के बाद से लेबनान की ओर से रॉकेट हमले बहुत कम हुए थे, लेकिन इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में खतरों को रोकने के नाम पर समय-समय पर हवाई हमले जारी रखे हैं। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम ने औपचारिक श्रद्धांजलि भाषण में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या को अपराध की पराकाष्ठा बताया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

गांव में बाइक सवार हमलावरों ने की अंधाधुंध फायरिंग

अबुजा। नाइजीरिया इस समय गहरे सुरक्षा संकट से गुजर रहा है। गांवों में रहने वाले लोग सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं, और हालात जल्द सुधरते नहीं दिख रहे। ताजा जानकारी के अनुसार, नाइजर राज्य के तीन गांवों में बंदूकधारियों ने 15 लोगों की गोली मारकर हत्या की है। अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-मध्य इलाके में बंदूकधारियों ने तीन गांवों पर हमला कर कम से कम 15 लोगों की हत्या कर दी। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने रविवार को यह जानकारी दी। ये हमले शनिवार को नाइजर राज्य के बोरगु इलाके के तीन गांवों- ताशन माजे, सादुरो और रुंतुवा- में हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर दर्जनों मोटरसाइकिलों पर सवार होकर गांवों में घुसे और चारों तरफ अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। उन्होंने दुकानों को भी लूट लिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस हमले को भयावह बताया और कहा कि यहां के लोग लगातार डर और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं। नाइजीरिया में क्यों बढ़ रही है हिंसा? नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। देश के उत्तर-पूर्व में इस्लामी चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं, जबकि उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य इलाकों में सशस्त्र आपराधिक गिरोह फिरौती के लिए लोगों का अपहरण करते हैं और गांवों पर हमले करते हैं। पिछले हफ्ते भी उत्तर-पश्चिमी राज्य जमफारा में 38 लोगों की हत्या कर दी गई थी और कई लोगों का अपहरण हुआ था।

अमेरिका की भूमिका अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि नाइजीरिया में ईसाइयों की सुरक्षा ठीक से नहीं हो रही। हालांकि नाइजीरियाई सरकार ने इस आरोप को खारिज कर दिया। जानकारों का कहना है कि वहां की स्थिति काफी जटिल है और हिंसा का शिकार लोग किसी एक धर्म के नहीं हैं। दिसंबर में अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े आर्तकियों पर हवाई हमले किए थे। पिछले महीने नाइजीरिया ने बताया कि अमेरिका वहां की सेना को आतंकवाद से लड़ने की ट्रेनिंग देने के लिए सैनिक भेज रहा है। सेना का दावा- आर्तकियों के खिलाफ बड़ी सफलता इधर, नाइजीरियाई सेना ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटों में आर्तकियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। सेना ने 20 संदिग्धों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, चोरी का कच्चा तेल, ड्रग्स और लूटा गया मवेशी बरामद किया है। सेना का कहना है कि वह पूरे देश में आतंकवादी और आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

पश्चिम एशिया में हमलों के बाद तेल कीमतों में तेज उछाल, वैश्विक आपूर्ति पर संकट गहराया

न्यूयॉर्क। क्या पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य टकराव दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल को महंगा कर देगा? अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद तेल बाजार में मची उथल-पुथल ने यही सवाल खड़ा कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा संकट गहराने लगा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झकझोर दिया है। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमलों तथा उसके जवाबी हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। बाजार खुलते ही ट्रेडर्स ने आशंका जताई कि क्षेत्र से तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है। 8 प्रतिशत तक चढ़ा अमेरिकी कच्चा तेल अमेरिका में उत्पादित हल्का और मीठा कच्चा तेल वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (हळक) लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 67 डॉलर के स्तर से करीब 8 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़े तो यह उछाल जारी रह सकता है। होर्मुज

जलडमरूमध्य बना सबसे बड़ा जोखिम पश्चिम एशिया के तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार है, जहां से प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल गुजरता है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा है। इस मार्ग से सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान का तेल और गैस विश्व बाजार तक पहुंचता है। हाल ही में इस मार्ग से गुजर रहे दो जहाजों पर हमले की खबर ने चिंता और बढ़ा दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इस जलमार्ग में आवाजाही सीमित होती है तो कई देशों की निर्यात क्षमता प्रभावित होगी, जिससे वैश्विक स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि तय मानी जा रही है। डढएउ+ ने उत्पादन बढ़ाने का किया ऐलान तनाव के बीच राहत देने की कोशिश में डढएउ+ समूह के आठ देशों ने कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा की है। अप्रैल से 2,06,000 बैरल प्रतिदिन अतिरिक्त उत्पादन किया जाएगा। उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं। हालांकि ऊर्जा विश्लेषकों का कहना है कि केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, जब तक निर्यात मार्ग पूरी तरह सुरक्षित न हो जाएं। ईरान के निर्यात पर भी संकट ईरान प्रतिदिन करीब 16 लाख बैरल तेल निर्यात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा चीन को जाता है। यदि निर्यात बाधित होता है तो चीन जैसे बड़े आयातक देशों को वैकल्पिक स्रोत तलाशने पड़ सकते हैं, जिससे वैश्विक मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ सकता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस पश्चिम एशिया तेल आपूर्ति संकट का असर केवल तेल बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और शेयर बाजार पर भी दिखाई दे सकता है।

तेहरान से बातचीत के लिए तैयार, तो ईरान पर अमेरिका-इस्राइल क्यों बरपा रहे कहर

दुबई। आखिर डोनाल्ड ट्रंप क्या चाहते हैं- जंग या बातचीत? एक ओर तेहरान से संवाद के संकेत, तो दूसरी तरफ ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के लगातार हमले। क्या यह रणनीतिक दबाव की चाल है या बड़े संघर्ष की भूमिका? पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इस्राइल ने रविवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर भीषण बमबारी की। तेहरान समेत कई शहरों में धमाकों से इमारतों की खिड़कियां हिल गईं और आसमान में धुएं के गुबार छा गए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, हमलों की शुरूआत से अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं। ट्रंप का सख्त संदेश, लेकिन बातचीत के लिए भी तैयार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संघर्ष खत्म होने से पहले और जानें जा सकती हैं। हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ईरान के नए नेतृत्व से बातचीत के लिए तैयार हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा वे बात करना चाहते हैं और मैंने सहमति दे दी है। तेहरान पर 100 लड़ाकू विमानों से हमला इस्राइल ने दावा किया कि उसके 100 लड़ाकू विमानों ने एक साथ तेहरान में ईरान की वायुसेना, मिसाइल कमान और आंतरिक सुरक्षा बलों के ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी सेना ने बताया कि इ-2 स्टील्थ बॉम्बर्स ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल ठिकानों पर 2000 पाउंड के बम गिराए। ट्रंप के अनुसार, नौ ईरानी युद्धपोत डुबो दिए गए और नौसेना मुख्यालय को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान का पलटवार, इस्राइल और खाड़ी देश निशाने पर ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इस्राइल और खाड़ी देशों की ओर मिसाइलें दागीं। इस्राइल के बचाव अधिकारियों के अनुसार, यरुशलम और बीट शेमेश में हमलों में 9 लोगों की मौत और 28 घायल हुए। हिजबुल्ला ने भी इस्राइल पर रॉकेट दागे। इसके जवाब में इस्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमले किए।

पाकिस्तान का बड़ा दावा, ऑपरेशन गजब लिल हक में मारे गए 415 अफगान लड़ाके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के मुताबिक अफगानिस्तान के साथ चल रहे सैन्य अभियान में अबतक 415 अफगान तालिबान मारे गए और 580 से अधिक घायल हुए। इस बात का दावा पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने किया। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई सीमा पर 53 हमलों के जवाब में की गई। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव दिन-प्रतिदिन और बढ़ता जा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान की ओर से जारी बयान में बताया गया कि अफगानिस्तान के साथ जारी सैन्य अभियान में पाकिस्तानी सेना ने 415 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया है और 580 से ज्यादा को घायल किया है। यह जानकारी पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार को दी। बता दें कि दोनों देशों के बीच यह संघर्ष ज्यादा तेज तब हो गया जब पाकिस्तान ने गुरुवार रात गजब लिल हक नाम से एक सैन्य अभियान शुरू किया। पाकिस्तान का कहना है कि यह कार्रवाई अफगान तालिबान के हमलों के जवाब में की गई है। वहीं पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, अफगान तालिबान के लड़ाकों ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर 53 अलग-अलग जगहों पर हमले किए थे। इन हमलों में देश के अंदर स्थित सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

राजधानी बेरुत में धमाकों से दहला शहर, 31 मरे और 149 से ज्यादा घायल

बेरुत। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद हिजबुल्ला ने इस्राइल पर राकेट दागे। इसके जवाब में इस्राइली सेना ने लेबनान पर हवाई हमले किए हैं, जिसमें 31 लोगों की मौत हो चुकी हैं ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ गया है। खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए हिजबुल्ला ने इस्राइल पर राकेट से हमला किया। इसके तुरंत बाद इस्राइली सेना ने लेबनान पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इस्राइल ने राजधानी बेरुत समेत लेबनान के कई इलाकों में हवाई हमले किए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, इस्राइली हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 149 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बेरुत के दक्षिणी उपनगरों और दक्षिणी लेबनान पर 'इस्राइली दुश्मन के हमलों' में यह नुकसान हुआ है। हिजबुल्ला ने क्यों किया हमला हिजबुल्ला ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हिजबुल्ला ने कहा कि अयातुल्ला इमाम सैयद अली अल-हुसैनी खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए उसने राकेट और ड्रोन दागे हैं। संगठन ने इसे लेबनान और उसके लोगों की रक्षा में उठाया गया कदम बताया। इस्राइली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला के राकेट हमले के जवाब में यह कार्रवाई की गई है। सेना ने बताया कि इस्राइली बलों ने पूरे लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकी ठिकानों पर हमला करना शुरू कर दिया है। सेना ने बाद में पुष्टि की कि उसने बेरुत इलाके और दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकियों को निशाना बनाया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।